राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 03 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-195 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया विमान से फिर आया मेडे कॉल, टेकऑफ के बाद मची अफरा-तफरी, सुरक्षित लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंदौर के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया के विमान में तकनीकी खामी आ गई। पायलट ने तुरंत मेडे कॉल देकर आपात स्थिति घोषित की, जिससे हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि विमान को सुरक्षित दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतार लिया गया। जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2913 ने रविवार को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के थोड़ी देर बाद ही कॉकपिट को दाहिने इंजन (इंजन संख्या-2) में आग लगने का अलर्ट मिला। इसके बाद पायलट ने तुरंत एटीसी से संपर्क किया और मेडे कॉल भेजा। एटीसी ने फौरन फुल इमरजेंसी घोषित करते हुए दमकल और राहतकर्मियों को अलर्ट पर रखा। करीब आधे घंटे हवा में रहने के बाद विमान को सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों समेत क्रू मेंबर सुरक्षित रहे और इसी के साथ यात्रियों को इंदौर भेजने के लिए एयर इंडिया ने वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की। इस घटना की जांच डीजीसीए और डीआरडीओ करेंगे। इंजन में आग लगने की वजहों का पता लगाने के लिए विमान को एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया है। गौरतलब है कि इसी साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर टेकऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गया था। उस दर्दनाक हादसे में 242 में से 241 यात्रियों की मौत हो गई थी।

लालू की राह पर केसीआर... बेटी के कविता को पार्टी से किया बाहर

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपनी बेटी के कविता के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। केसीआर ने मंगलवार को उन्हें बीआरएस यानी भारत राष्ट्र समिति से निलंबित किया है। खबर है कि पार्टी के खिलाफ बयानबाजी के चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। कुछ दिनों पहले ही कविता ने बीआरएस नेताओं पर ही केसीआर की छवि खराब करने के आरोप लगा दिए थे। बीआरएस का कहना है कि कविता का मौजूदा व्यवहार और उनकी ओर से की जा रहीं गतिविधियां पार्टी की छवि को खराब कर रही थीं, इसकारण पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम केसीआर ने तत्काल प्रभाव से कविता को निलंबित करने का फैसला किया है। खास बात है कि 22 अगस्त को विदेश यात्रा के दौरान भी बीआरएस ने कविता के खिलाफ कार्रवाई की थी। उस दौरान उन्हें टीबीजीकेएस यानी तेलंगाना बोग्गु गनी कर्मिका संगम के अध्यक्ष पद से अचानक हटा दिया गया था। उन्होंने पार्टी के नेताओं पर उनके खिलाफ साजिश करने के आरोप लगाए थे। साथ ही कहा था कि पद से हटाया जाना राजनीति से प्रेरित कदम था। उन्होंने आरोप लगाए थे कि उनकी जानकारी के बिना पार्टी ऑफिस में चुनाव हुआ, जो संभावित रूप से श्रम कानून का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा था, पार्टी के अंदर जिस तरह से काम हो रहा था, उसपर सवाल खड़ा करने के चलते मेरे खिलाफ द्वेष रखा गया। हालांकि, उन्होंने तब किसी भी नेता का नाम खुलकर नहीं लिया था।

मरीन ड्राइव पर लड़कों को देख रुके तेजस्वी फिर किया ऋतिक जैसा डांस, वीडिया हुआ वायरल, यूजर्स एक राजनेता को इस रूप में देख कर रहे तारीफ

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के डांस का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। यह वीडियो पटना के टाइम स्पेंड स्पॉट मरीन ड्राइव का बताया जा रहा है। वीडियो में तेजस्वी कुछ लड़कों के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि तेजस्वी बिल्कुल कैजुअल लुक में हैं। ढीला-ढाला पायजामा और टीशर्ट पहने हैं। वह कुछ लड़कों को मरीन ड्राइव पर देख रुक जाते हैं। फिर उनके साथ डांस करते हैं। यहां तक की उन लड़कों में एक उन्हें डांस स्टेप करने के लिए बता रहा है, जिसे तेजस्वी पूरी तरह से फॉलो करते दिख रहे हैं। वहीं बहन रोहिणी आचार्य ने भी तेजस्वी के डांस का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है- दिल तो बच्चा ही है जी...मस्ती टाइम @ पटना मरीन ड्राइव

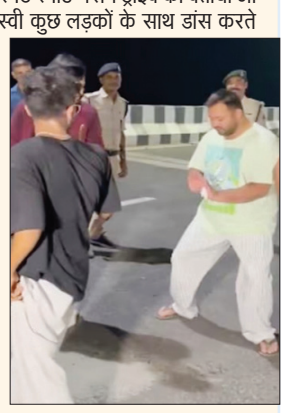

प्रधानमंत्री ने बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया

पटना/ नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये की राशि को हस्तांतरित किया। यह जीविका निधि साख सहकारी संघ पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करेगा, जिससे माध्यम से सीधे और पारदर्शी ढंग से धनराशि का हस्तांतरण सुनिश्चित होगा।

इस जीविका निधि की स्थापना का उद्देश्य जीविका से जुड़े सामुदायिक सदस्यों को सस्ती ब्याज दरों पर आसानी से धन उपलब्ध कराना है। जीविका के सभी पंजीकृत कलस्टर-स्तरीय फेडरेशन इस संस्था के सदस्य बनेंगे। इस संस्था के संचालन के लिए बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही धनराशि का योगदान करेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि जीविका के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं में उद्यमिता का विकास हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कई लघु उद्यमों और उत्पादक कंपनियों की स्थापना हुई है। ज्यादातर व्यवसायों में इन महिला उद्यमियों को 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत तक की ऊंची ब्याज दरें वसूलने वाले सूक्ष्म वित्त संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस समस्या के निदान के लिए और उद्यमी महिलाओं की सूक्ष्म वित्त संस्थानों पर निर्भरता कम करने और कम ब्याज दरों पर समय पर बड़ी ऋण राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जीविका निधि को एक वैकल्पिक वित्तीय प्रणाली के रूप में बनाया गया है।

यह प्रणाली एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करेगी, जिससे जीविका दीदियों के बैंक खातों में सीधे और तेजी से पारदर्शी धन हस्तांतरण सुनिश्चित होगा। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए 12,000 सामुदायिक कार्यकर्ताओं को टैबलेट से लैस किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के बीच उद्यमिता विकास को मज़बूत करने और समुदाय-आधारित उद्यमों के विकास में तेज़ी आने की उम्मीद है। पूरे बिहार से लगभग 20 लाख महिलाओं ने इस कार्यक्रम को देखा।

बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गाली, देश की मां-बहन-बेटी का अपमान; विपक्ष पर बरसे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार की ग्रामीण महिलाओं के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस-राजद पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में जो हुआ, उसकी मैं कल्पना नहीं कर सकता हूं। 'मां का अपमान' पीड़ा देने वाला था।पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान अपनी मां का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरी 'मां' का कांग्रेस-राजद के मंच से अपमान किया गया। ये मेरी 'मां' का नहीं, बल्कि हर 'मां' का अपमान है।'

मनोज जरांगे की बड़ी जीत, कुनबी प्रमाण पत्र के लिए बनेगी कमेटी

मराठा आरक्षण देने पर राजी हुई महाराष्ट्र सरकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन करने आए लोगों और मनोज जरांगे की बड़ी जीत हुई है। सरकार ने हैदराबाद गजट को जारी कर दिया है। यानि कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का दर्ज प्राप्त होगा। कुनबी जाति को पहले ही प्रदेश में ओबीसी में शामिल हैं। सरकार के इस फैसले से मराठाओं को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार की इस पहल से न केवल मराठा समाज के लिए कई अवसरों के रास्ते खोलेगी, बल्कि इस फैसले से सामाजिक न्याय की दिशा भी मजबूत होगी।

सरकार की ओर से गजट जारी करने के पहले मनोज जरांगे ने आमरण अनशन खत्म करने को लेकर कुछ शर्तें रखीं थीं। इसमें मराठा समाज को कुनबी जाति में शामिल करने की मांग सबसे प्रमुख था। अब सरकार की ओर से जीआर जारी हो गई है। ऐसे में संभावनाएं हैं कि रात नौ बजे वह मुंबई छोडक़र चले जाएं। क्योंकि हाईकोर्ट ने भी बुधवार सुबह तक आजाद मैदान खाली करने की सख्त चेतावनी दी है।

मनोज जरांगे का लंबा संघर्ष

मराठा आरक्षण को लेकर फडणवीस सरकार ने जो हामी भरी है, उसके लिए मनोज जरांगे ने महीनों आंदोलन किए हैं। आरक्षण का रास्ता इतना आसान भी नहीं था। मनोज जरांगे ने 2021 में मराठा आरक्षण को लेकर पिंपलगांव में 90 दिनों तक आंदोलन किया था। 2023 में अगस्त के महीने में जालना में जरांगे ने आरक्षण की मांग को लेकर बड़े स्तर का आंदोलन किया था। उन्होंने कई दिनों तक आमरण अनशन किया और पुलिस की कार्रवाई के बाद यह आंदोलन प्रदेश भर में सुर्खियों में चर्चा में आई थी। इसके अलावा, 2023 से लेकर 2025 के बीच जरांगे ने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में भूख हड़ताल की, जिसमें प्रमुख तौर पर मराठवाड़ा क्षेत्र और मुंबई में, सात बार आमरण अनशन किया।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव पर 102 करोड़ का जुर्माना

- हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई
- 11 हजार पन्नों के दस्तावेज आरोपियों को थमाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना तस्करी के चर्चित मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 102 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। यह मामला मार्च 2025 में सामने आया था जब रान्या को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.8 किलो सोना लाते हुए पकड़ा गया था।

विगत 3 मार्च को रान्या राव दुबई से बेंगलुरु लौटी थीं। जांच के दौरान डीआरआई अधिकारियों को उनके पास से 14.8 किलो सोना बरामद किया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला इसलिए ज्यादा चर्चा में रहा क्योंकि रान्या राव डीजीपी रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। इस तस्करी केस में सिर्फ रान्या ही नहीं, बल्कि होटल व्यवसायी और ज्वैलर्स भी शामिल पाए गए। होटल कारोबारी तरुण कोंडाराजू पर 63 करोड़, ज्वैलर्स साहिल सकरिया जैन और भरत कुमार जैन पर 56-56 करोड़ रुपये का दंड लगाया गया है। मंगलवार को डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु सेंट्रल जेल जाकर सभी आरोपियों को 250 पन्नों का नोटिस और 2500 पन्नों का अटैचमेंट सौंपा। कुल मिलाकर 11 हजार पन्नों के दस्तावेज इस मामले में आरोपियों को थमाए गए है। इससे पहले, जुलाई 2025 में रान्या राव को विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (कोफेपोसा एक्ट) के तहत एक साल की सजा सुनाई गई थी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर दो विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आरोप

चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दो निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के कारण नोटिस जारी किया है। खेड़ा को सोमवार, 8 सितंबर, 2025 को सुबह 11 बजे तक नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय के इस दावे पर कि उनके पास दो सक्रिय मतदाता पहचान पत्र संख्याएँ हैं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मंगलवार को कहा कि यही वह मुद्दा है जिसे उनकी पार्टी उठा रही है और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है।

एएनआई से बात करते हुए, खेड़ा ने सीसीटीवी फुटेज की माँग की ताकि यह पता लगाया जा सके कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में उनके नाम पर किसे वोट डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से पूछा कि उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की सूची में अभी भी क्यों है, जबकि उन्होंने इसे हटाने की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया था। यह दावा करते हुए कि भारत के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में ऐसी सैकड़ों-हज़ारों त्रुटियाँ हैं, कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के माध्यम से ऐसी त्रुटियों को वैध बना रहा है।

खेड़ा ने कहा कि यही कांग्रेस पार्टी कह रही है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर हम यही सवाल उठा रहे हैं... यह सूची भाजपा नेताओं के साथ-साथ चुनाव आयोग के पास भी उपलब्ध है। कांग्रेस बार-बार सूची मांगती रहती है, लेकिन उसे कभी नहीं मिलती... मैं चुनाव आयोग से जानना चाहता हूं कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से मेरे नाम पर किसे वोट डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मुझे सीसीटीवी फुटेज चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, ÷मैं 2016 में वहाँ से चला गया। मैंने वहाँ से अपना नाम हटवाने की प्रक्रिया पूरी की। लेकिन मेरा नाम अभी भी वहाँ क्यों है? राहुल गांधी 7 अगस्त से लेकर आज तक इसी बात को चुनौती दे रहे हैं...भारत के हर निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे सैकड़ों-हज़ारों नाम हैं। इनका दुरुपयोग हो रहा है...एसआईआर के तहत, वे ऐसी त्रुटियों को वैध बना रहे हैं। इसलिए, हम एसआईआर पर आपत्ति जता रहे हैं क्योंकि यह अभी हो रहा है...÷। इससे पहले आज, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत दो सक्रिय मतदाता पहचान पत्र रखने का आरोप लगाया।

सस्ता खरीदो और दुनियाभर में बेचो...ट्रंप को चिढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे पुतिन, भारत के लिए और कम किए तेल के दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ लगा रहे हैं। रूस से तेल क्यों लेते हो ये कहकर आंखें दिखा रहे हैं। नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं। लेकिन पुतिन ने तो मानो ट्रंप को चिढ़ाने की जिद ठान रखी है। चीन के तिनजियांग में पुतिन-मोदी की मुलाकात के बाद अब भारत को रूस की तरफ से ऐसा ऑफर दिया गया है, जिसे सुनकर अमेरिका बौखला जाएगा। रूस का कच्चा तेल भारत के लिए और भी सस्ता हो गया है। मास्को ने 3-4 डॉलर प्रति बैरल तक की अतिरिक्त छूट की पेशकश की है। यह अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस के यूराल क्रूड को सितंबर के अंत और अक्टूबर में होने वाली शिपमेंट के लिए कम कीमत पर पेश किया जा रहा है। पिछले हफ्ते यह छूट बढ़ाकर लगभग 2.50 डॉलर प्रति बैरल कर दी गई, जो जुलाई में लगभग 1 डॉलर थी।

अमेरिका ने भारत पर 50प्र. टैरिफ लगाया

अमेरिका ने शुरुआत में भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। अमेरिका का कहना था कि यह रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली पर लगाया गया जुर्माना है। हालांकि, भारत ने इस पर आपत्ति जताई और अमेरिकी टैरिफ को 'अनुचित' और 'अतार्किक' बताया। भारत ने कहा कि यूरोपीय संघ और अमेरिका सहित कई देश रूस से सामान का बड़े पैमाने पर आयात कर रहे हैं और भारत को निशाना बनाना 'दोहरा मानदंड' वाला रवैया है। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत जहाँ भी सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, वहाँ से तेल खरीदना जारी रखेगा और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा।

चीन में मोदी-ट्रंप की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। सोमवार सुबह शिखर सम्मेलन के बाद, दोनों नेता एक ही कार में अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल तक साथ-साथ गए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद, राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल तक साथ-साथ गए।

पटरी पर लौट रहे हैं भारत-चीन संबंध, एससीओ समिट के बाद बोले मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और जैसे-जैसे सीमा से जुड़े मुद्दों का समाधान होगा, तनाव भी कम होता जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में दोनों देशों ने भारत-चीन सीमा विवाद का निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने पर सहमति जताई। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई 'मानवता के प्रति कर्तव्य' है। बैठक में दोनों देशों ने एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक व्यापार स्थिरता में भूमिका को मान्यता दी और व्यापार एवं निवेश संबंधों को और बढ़ाने का संकल्प लिया। पत्रकारों ने जब गोयल से पूछा कि क्या भारत-चीन संबंधों में सुधार के बाद प्रेस नोट-3 (पीएन3) नियम में ढील दी जाएगी, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा एससीओ बैठक का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा, कि गलवान की घटना के बाद कुछ तल्खी आई थी, लेकिन सीमा मुद्दे सुलझने के साथ स्थिति का सामान्य होना स्वाभाविक है। गौरतलब है कि अप्रैल 2020 में जारी प्रेस नोट-3 (पीएन3) के तहत चीन समेत सभी सीमावर्ती देशों से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी।

घुसपैठियों की अब खैर नहीं, हर राज्य में बनेंगे डिटेंशन सेंटर

-इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट के सख्त प्रावधान देश में लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने हाल ही में लागू इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत विदेशियों के प्रवेश और ठहराव पर कई सख्त प्रावधान किए हैं। यह आदेश सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक व्यवस्था और संवेदनशील सीमाई इलाकों की सुरक्षा से जुड़ा है। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि भारत अब अपनी सुरक्षा नीतियों में किसी तरह का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि विदेशियों पर अगर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने का आरोप सिद्ध होता है तो उन्हें भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति देने से मना किया जा सकता है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि हाल ही में लागू किए गए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत प्रत्येक राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन विदेशियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से समर्पित निरुद्ध केंद्र या हिरासत शिविर स्थापित करेगा, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता। गृह मंत्रालय ने कहा कि जो भी विदेशी किसी भी श्रेणी के वीजा के लिए आवेदन करता है, जिसमें प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारक के रूप में पंजीकरण भी शामिल है, उसे वीजा जारी करने वाली अथवा ओसीआई कार्डधारक के रूप में पंजीकरण प्रदान करने वाले प्राधिकरण को अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देने की अनुमति देनी होगी, और यह प्रक्रिया वीजा या पंजीकरण दिए जाने से पहले पूरी की जाएगी। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि यदि भारत में अवैध प्रवासियों को पकड़ा जाता है, तो उन्हें निर्वासन (देश से वापस भेजे जाने) की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी होल्डिंग सेंटर या शिविर में रखा जाएगा और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

हम आपको बता दें कि निर्दिष्ट सीमा सुरक्षा बल या तटरक्षक बल भारत में प्रवेश करने का प्रयास करने वाले अवैध आप्रवासियों को रोकने के लिए कदम उठाएंगे तथा केंद्र सरकार के निर्दिष्ट पोर्टल पर उनकी बायोमेट्रिक जानकारी और उपलब्ध जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करने के बाद उन्हें वापस भेजेंगे। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया, 'किसी विदेशी को निम्नलिखित आधारों पर भारत में प्रवेश या रहने से मना किया जा सकता है, अर्थात- यदि उसे राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, मानवता के विरुद्ध अपराध, आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधि के आरोपों में दोषी ठहराया जाता है, जिसमें ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता या धन शोधन या हवाला की व्यवस्था करना शामिल है।'

गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया, 'मादक पदार्थों और मनः प्रभावी पदार्थों की तस्करी, बाल तस्करी सहित मानव तस्करी, नकली यात्रा दस्तावेजों और मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी सहित) में धोखाधड़ी, साइबर अपराध, बाल दुर्व्यवहार या ऐसे अपराधों में संलिप्त पाया जाना।' गृह मंत्रालय ने कहा कि कोई भी विदेशी, जिसके पास भारत में रोजगार के लिए वैध वीजा हो, बिना नागरिक प्राधिकरण की अनुमति के, बिजली या जल आपूर्ति से जुड़े निजी क्षेत्र के उपक्रमों या पेट्रोलियम क्षेत्र में कार्यरत किसी संस्था में रोजगार स्वीकार नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

(लेखक- हरदीप एस. पुरी)

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रकिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच – तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर – की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है — सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह फ्मृत अर्थव्यवस्थाफ्र की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं – बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण – की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग – जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है – बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों – जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है – ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेज़ुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक फ्लौंड्रोमैटफ्र बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया। सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती की और निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशत डीजल बेचना होगा।

इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतें स्थिर रहीं। बड़ा सच यह है कि वैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप भारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं – जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है – जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौरा और जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती है और हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजी वास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थित और निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है।

आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है।

एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगे और अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगे ताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके।

आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमारा जवाब होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार है और विकास के ये आंकड़े उस व्यापक कहानी का ताजा अध्याय मात्र हैं।

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं

संपादकीय

तुरंत मदद जरूरी

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है। इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने।

गणपति और कुटुंब प्रबोधन

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

'गणपति बाप्पा मोरया! सुखकर्ता, दु:खहर्ता – हमें जीवन जीने की सच्ची राह दिखाने वाले।' भगवान गणेश केवल विघ्नहर्ता या बुद्धिदाता ही नहीं, बल्कि वे हमारे परिवारिक जीवन और सामाजिक मूल्यों के भी प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके रूप और उनके जीवन से हमें अनेक नीति शिक्षा मिलती है, जो आज के परिवारों और समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

1. पहले सुनो, फिर बोलो – संवाद का महत्व

गणपति के बड़े-बड़े कान इस बात का संकेत हैं कि परिवार में या समाज में किसी समस्या का समाधान तब ही संभव है जब हम धैर्यपूर्वक दूसरों की बात सुनें। बिना सुने प्रतिक्रिया देना अक्सर टकराव को जन्म देता है। इसलिए, सुनना सबसे बड़ी समझदारी है।

2. विनम्रता में ही महानता है

गणपति का रूप विशाल है – बड़ा पेट, बड़ा मस्तक – लेकिन वे एक छोटे से मूषक पर सवारी करते हैं। यह प्रतीक है विनम्रता का। आज की दुनिया में जहां दिखावा और अहंकार आम हो गए हैं, गणपति सिखाते हैं कि विनम्र व्यक्ति ही वास्तव में बड़ा होता है।

3. परिवार में एकता ही सुख का कारण

गणेश जी का परिवार – शिव, पार्वती, कार्तिकेय और स्वयं गणेश – एक आदर्श परिवार का उदाहरण है। इस परिवार में सभी अलग-अलग स्वभाव के हैं, फिर भी साथ रहते हैं। इससे हमें यह सीख मिलती है कि आपसी समझ और सहयोग से ही परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

4. धैर्य से समाधान मिलता है, क्रोध से नहीं

गणेश जी की शांत मुद्रा और स्थिरता हमें यह सिखाती है, कि जीवन की समस्याओं को हम क्रोध नहीं, बल्कि धैर्य और विवेक से ही सुलझा सकते हैं। चाहे वह कोई पारिवारिक कलह हो या समाज में तनाव – शांत चित्त ही समाधान की कुंजी है।

5. नशा छोड़ो, विवेक अपनाओ

गणपति का स्वरूप हमें शुद्धता और सादगी का संदेश देता है। आज की युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आ रही है, जो परिवार और समाज दोनों को तोड़ रहा है। गणेश जी का संदेश है – 'नशा छोड़ो, विवेक अपनाओ।' एक स्वस्थ और सद्गुणों से युक्त जीवन ही सच्चा 'आनंद' है। गणपति केवल पूजन के देव नहीं, बल्कि जीवन के आदर्श शिक्षक हैं। यदि हम उनके गुणों को अपने जीवन और परिवार में अपनाएं – तो न केवल हमारा घर, बल्कि पूरा समाज प्रेम, धैर्य और सद्भाव से भर जाएगा।

'गणपति बाप्पा मोरया! मंगलमूर्ति मोरया!'

विघ्नहर्ता श्री गणेश – परिवार के कष्टों का निवारणकर्ता

हिंदू धर्म में भगवान गणेश को 'विघ्नहर्ता', अर्थात् विघ्नों को दूर करने वाला कहा गया है। उनका नाम लेते ही मन में श्रद्धा, विश्वास और शांति का भाव उत्पन्न होता है। वे हर शुभ कार्य के पहले पूजे जाते हैं ताकि कार्य निर्बाध रूप से पूर्ण हो। लेकिन 'विघ्नहर्ता' का अर्थ केवल बाहरी बाधाओं को हटाना नहीं, बल्कि यह एक गहरी पारिवारिक और सामाजिक सीख भी है। परिवार एक ऐसा स्थान है जहाँ सभी सदस्य एक-दूसरे से जुड़े। हम गुस्से की बजाय धैर्य और प्रेम से बात करें और, एक-दूसरे को माफ करना और साथ निभाना सीखें।

विघ्नहर्ता का अर्थ – केवल पूजा नहीं, अनुकरण भी

अगर हम केवल गणेश जी की मूर्ति की पूजा करें, पर उनके गुणों को अपने व्यवहार में ना लाएं, तो हमारी पूजा अधूरी रह जाएगी।

सच्ची पूजा यह है कि हम उनके जैसे बनें – परिवार के लिए विघ्नहर्ता।

माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, सभी को चाहिए कि वे गणेश जी से प्रेरणा लेकर एक-दूसरे की समस्याओं को समझें और उन्हें दूर करने में सहायक बनें। विघ्नहर्ता श्री गणेश केवल मंदिर में नहीं हैं, वे हमारे भीतर हैं – जब हम किसी का दु:ख दूर करते हैं, जब हम परिवार में शांति बनाए रखते हैं, जब हम सबको साथ लेकर चलते हैं – तब हम भी एक प्रकार से 'विघ्नहर्ता' बन जाते हैं।

आइए, इस गणेश उत्सव पर यह संकल्प लें कि हम न केवल उनकी पूजा करेंगे, बल्कि उनके गुणों को अपनाकर अपने परिवार की हर बाधा को दूर करेंगे।

'विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की जय।'

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

विचार मंथन

भारतीय ब्राह्मण और अमेरिकन ब्राह्मण के बीच तू-तू, मैं-मैं

नवारो ने कहा, रूस से तेल खरीद कर यूरोपीय देशों में बेचकर इन लोगों ने भारी मुनाफा कमाया है। अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद भी रूस ने भारत के माध्यम से तेल बेचकर युद्ध लड़ा है। तेल की कमाई से रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध लड़ रहा है।

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय उद्योगपति जिसमें गौतम अडानी और मुकेश अंबानी शामिल हैं के लिए कहा, कि इन्होंने रूस से तेल खरीद कर भारी मुनाफाखोरी की है। उन्होंने भारतीय उद्योगपतियों को ब्राह्मण बताते हुए (अंबानी और अडानी) को मुनाफाखोर बताया है। नवारो ने कहा, रूस से तेल खरीद कर यूरोपीय देशों में बेचकर इन लोगों ने भारी मुनाफा कमाया है। अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद भी रूस ने भारत के माध्यम से तेल बेचकर युद्ध लड़ा है। तेल की कमाई से रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध लड़ रहा है। रूस का तेल यूरोपीय देशों को बेचा जा रहा है, जिसका फायदा भारतीय ब्राह्मणो को हो रहा है। भारत की जनता को तेल के इस खेल में नुकसान उठाना पड़ रहा है। कच्चा तेल रूस से सस्ते मे खरीदकर भारत की आम जनता को महंगे दामों में बेचा जा रहा है। आम भारतीय नागरिकों को महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ रहा है। भारतीय उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पेट्रोल डीजल की बढी हुई कीमतों के कारण भारत के लोगों को महंगाई झेलनी पड़ रही है। उन्होंने भारत के नागरिकों को चेतावनी देते हुए कहा था, कि भारत, रूस के लिए धुलाई मशीन बनाकर रूस के अपराधों को साफ करके उसे लड़ाई लड़ने में मदद कर रहा है। भारत और रूस के बीच एक ऐसा गठजोड़ बन गया है, जिसका नुकसान यूक्रेन के साथ-साथ अमेरिका को भी उठाना पड़ रहा है। ट्रंप के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो के इस बयान की भारत में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। कांग्रेसी नेता और प्रवक्ता, पवन खेड़ा ने कहा नवारो को इस तरह की विवादित टिप्पणी से बचना चाहिए। उन्होंने नवारो के इस तरह के निराधार बयान की निंदा करते हुए आपत्ति जताई है। पीटर नवारो और पवन खेड़ा के बयान के बाद बयान पर टीएमसी की सांसद सागरिका घोष कूद पड़ीं। उन्होंने कहा, अमेरिका और यूरोपीय देशों में अमीरों के लिए ब्राह्मण शब्द का उपयोग किया जाता है। ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय उद्योगपतियों को ब्राह्मण कहकर संबोधित किया है। सारी दुनिया में अभिजात्य वर्ग के लिए अंग्रेजी भाषा में ब्राह्मण शब्द का ही उपयोग किया जाता है। भारत में मनुस्मृति की बात होती है। मनु स्मृति में वर्ण व्यवस्था है। वर्ण व्यवस्था में ब्राह्मण को सर्वोच्च स्थान मिला हुआ है। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में अमीर और अभिजात्य वर्ग के लोगों को उनके ऐश्वर्या के कारण ब्राह्मण माना जाता है। इससे स्पष्ट हो गया है, ब्राह्मण एक ऐसा कुलीन वर्ग होता है। जो हमेशा से दुनिया के देशों में सर्वोच्च सम्मान के साथ बिठाया जाता है। ब्राह्मण ही आम लोगों पर धन संपदा के बल पर राज करता आया है। देश कोई भी हो, सभी जगह कुलीन वर्ग के धनी लोगों को ब्राह्मण ही माना जाता है। भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी वर्ण व्यवस्था के हिसाब से ब्राह्मण नहीं हैं। भारत की वर्ण व्यवस्था में वणिक समाज के होने के कारण भारत में इन्हें वैश्य माना जाता है। वैश्य को ब्राह्मण कह देने से भारत की वर्ण व्यवस्था पर अमेरिका का हमला माना जा सकता है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पीटर नवारो के बयान पर आपत्ति जताकर भारत की पुरातन संस्कृति की रक्षा की है? वहीं सागरिका घोष ने अंग्रेजी भाषा में अमीरों के लिए ब्राह्मण शब्द का उपयोग पर अपनी राय व्यक्त करके भारतीय संस्कृति की रक्षा करने का काम किया है। इस आपत्ति के बाद निश्चित रूप से अमेरिका को ब्राह्मण शब्द को लेकर भविष्य में सतर्कता बरतनी चाहिए। नवारो ने अभी जो बयान दिया है। उसके लिए भाजपा को उनसे माफी मांगने के लिए कहना चाहिए। अमेरिका ऐसे अनाप-शनाप बयान देकर भारतीय संस्कृति पर जो सीधा-सीधा हमला कर रहा है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने भुज में 25 मेगावाट सौर परियोजना शुरू की

नई दिल्ली । एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के भुज में 25 मेगावाट की नई सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। यह परियोजना अयाना रिन्यूएबल पावर फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित 150 मेगावाट की बड़ी सौर परियोजना का हिस्सा है। अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड की यह परियोजना ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट के साथ एक संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के तहत चल रही है। इस नई परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशन 3 सितंबर, 2025 से शुरू हो गया है। इस पहल के बाद एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता अब 83,366 मेगावाट हो गई है। वहीं एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की कुल कमर्शियल क्षमता 7,272.575 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो पहले 7,247.575 मेगावाट थी। यह वृद्धि देश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी की भूमिका को और मजबूत करती है। एनटीपीसीने इस जानकारी को सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स, 2015 के तहत रेगुलेशन 30 के अनुसार सार्वजनिक किया है।

अकाउंट एग्रीगेटर से वित्तीय समावेशन और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने बताया कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) प्रणाली ने भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा व्यक्तिगत ऋण की पहुंच को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे 2 सितंबर 2021 को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने 2016 में इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। यह एक डिजिटल फ्रेमवर्क है जो वित्तीय डेटा को सुरक्षित और सहमति-आधारित तरीके से साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे बैंकिंग, बीमा, पेंशन और प्रतिभूति जैसे क्षेत्रों में डेटा साझा करना सरल और सुरक्षित हो गया है। इस पहल से भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) मजबूत हुआ है। आज तक 112 संस्थान वित्तीय सूचना प्रदाता (एफआईपी) और वित्तीय सूचना उपयोगकर्ता (एफआईयू) दोनों के रूप में सक्रिय हैं, जबकि 56 संस्थान केवल एफआईपी और 410 केवल एफआईयू के रूप में काम कर रहे हैं। अकाउंट एग्रीगेटर के माध्यम से अब 2.2 अरब से अधिक वित्तीय खाते जुड़े हुए हैं, जिनमें से 11.23 करोड़ उपयोगकर्ता अपने खातों को लिंक कर चुके हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान एए को एक महत्वपूर्ण डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में मान्यता मिली। जुलाई 2024 में जारी जी-20 कार्यबल की रिपोर्ट में भी इसके महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। यह प्रणाली 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

स्वान डिफेंस और भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय ने शुरू किया उत्कृष्टता केंद्र

छात्रों और युवाओं को करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा

मुंबई । स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) ने भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के साथ मिलकर जहाज निर्माण और नौसेना वास्तुकला में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य भारत के बढ़ते जहाज निर्माण और भारी विनिर्माण क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की अगली पीढ़ी तैयार करना है। इस साझेदारी के तहत एसडीएचआई और आईएमयू अपने परिसरों में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। उत्कृष्टता केंद्र जहाज निर्माण से जुड़े तकनीकी कौशल और नौसेना वास्तुकला में विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इससे छात्रों और युवाओं को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मजबूत आधार मिलेगा। स्वान डिफेंस ने बताया कि यह साझेदारी भारत के आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थिति हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों संस्थान शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं और सरकारी विभागों के साथ मिलकर कौशल विकास की दिशा में और पहल करेंगे।

भारत सेमीकंडक्टर उद्योग में बना स्थिरता और विकास का मॉडलः वैष्णव

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की तेजी से हो रही प्रगति को वैश्विक परिदृश्य में एक स्थिरता और विकास का प्रकाश स्तंभ बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत ने पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिनमें से एक इकाई की उत्पादन लाइन पूरी हो चुकी है और कुछ महीनों में दो और इकाइयां उत्पादन शुरू कर देंगी।

वैष्णव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक और नीतिगत अस्थिरता के बीच भारत का स्थिर और पारदर्शी नीति माहौल निवेशकों के लिए विश्वास का कारण बन रहा है। उन्होंने वैश्विक उद्योग जगत से भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश करने का आग्रह किया। मंत्री ने यह भी बताया कि देश के 278 विश्वविद्यालयों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरणों से लैस किया गया है, जिससे 60,000 से अधिक इंजीनियरिंग छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन में प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। इसी के साथ, 17 छात्र दलों ने सफलतापूर्वक चिप तैयार कर प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की है। वैष्णव ने भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी जोर दिया, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नवाचार कर वैश्विक बाजारों में अपनी पहचान बना रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बढ़ती सेमीकंडक्टर मांग और उद्योग की क्षमता को देखते हुए, वैष्णव ने निवेश के लिए भारत को सबसे उपयुक्त स्थान बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ चुका है, जो देश के उद्योग के तेजी से विकास का प्रमाण है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 88.14 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.14 पर खुला और शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 88.16 प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। यह सोमवार के बंद स्तर 88.10 की तुलना में और नीचे है, जो कि अब तक का सर्वाधिक निचला स्तर था। रुपये की इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और डॉलर की वैश्विक मांग में बढ़ोतरी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने सोमवार को 1,429.71 करोड़ रुपये के शेयर शुद्ध रूप से बेचे। वहीं, डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 97.84 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर की मजबूती और स्पष्ट हो गई।

सेबी शेयर सूचकांक वायदा-विकल्प कारोबार में नए निगरानी ढांचे लागू करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर सूचकांक वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) में कारोबार की निगरानी के लिए एक नया सख्त नियामक ढांचा लागू करने का निर्णय लिया है। यह कदम बड़े जोखिमों और संभावित हेरफेर को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। नया ढांचा 1 अक्टूबर से लागू होगा। सेबी ने सूचकांक वायदा-विकल्प में प्रति इकाई शुद्ध सीमा 5,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है, जबकि दिन के अंत में यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये होगी। कारोबार के दौरान सकल सीमा 10,000 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी, जो मौजूदा दिन के अंत की सीमा के समान है। यह सीमा खरीद और बिक्री दोनों पक्षों पर अलग-अलग लागू होगी। सेबी ने कहा है कि कम से कम 400 सौदों की निगरानी की जाएगी, खासकर दोपहर पौने तीन से साढ़े तीन बजे के बीच, जब बाजार में गतिविधि अधिक होती है। इससे असामान्य खरीद-बिक्री गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और जोखिम कम किया जाएगा। यह नया निगरानी ढांचा अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट को भारतीय बाजार से अस्थायी प्रतिबंधित करने के बाद आया है। जेन स्ट्रीट पर सूचकांक में हेरफेर और नकदी व वायदा बाजारों में एक साथ दांव लगाकर मुनाफा कमाने का आरोप था। सेबी ने चेतावनी दी है कि सीमा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जांच की जाएगी और बाजार द्वारा जुर्माना या अतिरिक्त निगरानी जमा राशि लगाई जाएगी। यह उपाय बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 206, निफ्टी 45.45 अंक नीचे आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 206.61 अंक करीब 0.26 फीसदी टूटकर 80,157.88 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक नीचे आकर 24,579.60 पर रहा। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 151.90 अंक बढ़कर 56,977.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 93.20 अंक नीचे आकर 17,591.30 पर था। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए जबकि एफएमसीजी, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया , एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स के शेयरों में तेजी रही।

सेंसेक्स पैक में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचयूएल, बीईएल, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, इटरनल और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। एमएंडएम, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक टॉप के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इथेनॉल मानदंडों में मिली राहत के कारण चीनी शेयरों में तेजी आई, जबकि अमेरिका की नरम रुख वाली टिप्पणियों के बाद निर्यात केंद्रीत कंपनियों के शेयरों में तेजी आई हालांकि, निवेशकों अपनी ओर से सतर्कता बरत रहे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 150 अंकों की बढ़त के साथ 80,520.09 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने 24,653 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। सुबह सेंसेक्स 231.59 अंक चढ़कर 80,596.08 पर और निफ्टी 76.75 अंक बढ़कर 24,701 पर कारोबार करता देखा गया। एशियाई बाजारों में आज सकारात्मक माहौल देखा गया। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.31 फीसदी, कोरिया का कोस्पी 0.45 फीसदी और टॉपिक्स इंडेक्स 0.28 फीसदी बढ़ा।

जीएसटी काउंसिल में बदलाव के संकेतः 4 से घटाकर 2 स्लैब पर होगी चर्चा

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटी होने वाली बैठक में मौजूदा चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो स्लैब करने पर विचार किया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक, 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। 12 फीसदी स्लैब के ज्यादातर उत्पादों को 5 फीसदी और कुछ को 18 फीसदी स्लैब में शामिल किया जाएगा। वहीं 28 फीसदी स्लैब के सामान को 18 फीसदी में लाया जाएगा, जबकि लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर टैक्स बढ़ाकर 40 फीसदी किया जाएगा। अब तक 1,000 रुपये तक के कपड़े और जूते पर 5 फीसदी और अधिक कीमत वाले पर 12 फीसदी जीएसटी लगता था। प्रस्तावित बदलाव के बाद, 2,500 रुपये तक के कपड़े और फुटवियर पर 5 फीसदी और इससे ऊपर कीमत वाले पर 18 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए नए नियम लागू होंगे। आईसीएआई के एक पूर्व अे धिकारी ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एक ही उत्पाद पर अलग-

अलग कीमतों के आधार पर जीएसटी दर लगाना पारदर्शिता और सरलता के विपरीत होगा। इससे टैक्स चोरी और विवाद बढ़ सकते हैं।

15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी 2.0 को दिवाली से पहले लागू करने की घोषणा की थी। मंत्रियों के समूह ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब जीएसटी काउंसिल की 3-4 सितंबर की बैठक में अंतिम फैसला होगा। सरकार सितंबर के अंत तक नया जीएसटी ढांचा लागू करने की योजना बना रही है।

अगस्त में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.86 लाख करोड़ हुआ

- जुलाई की तुलना में मामूली गिरावट, अप्रैल में हुआ था अब तक का सबसे अधिक संग्रह

नई दिल्ली । अगस्त 2025 में देश का कुल जीएसटी कलेक्शन 1.86 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष अगस्त 2024 के मुकाबले 6.5 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिर मजबूती को दर्शाती है। हालांकि, जुलाई 2025 में संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपए था, जो त्योहारों और आर्थिक गतिविधियों के कारण अधिक रहा। अगस्त में कलेक्शन सामान्य स्तर पर लौट आया है। इस वर्ष अप्रैल में जीएसटी वसूली अब तक के रिकॉर्ड स्तर 2.37 लाख करोड़ पर पहुंची थी। इसके अलावा अगस्त 2025 में ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 1.36 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 6.6 फीसदी की वार्षिक वृद्धि है। वहीं इम्पोर्ट टैक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो 49,354 करोड़ रुपए रहा।

कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, लेकिन महानगरों में स्थिरता

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, फिर भी देश के कई शहरों में राहत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रही हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत देखने को मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कीं, जिनमें कई शहरों में कीमतों में कटौती की गई है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमत में 88 पैसे की बड़ी कटौती हुई है, जिससे यह 105.23 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल की कीमत में भी 83 पैसे की गिरावट आई है और अब यह 91.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 94.77 रुपए और डीजल 12 पैसे कम होकर 87.89 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि हरियाणा की गुरुग्राम में इसके` विपरीत स्थिति रही, जहां पेट्रोल 29 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 28 पैसे चढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर हो गया है। देश के चारों प्रमुख

महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 68.15 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 64.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 जल्द होगी लांच

नईदिल्ली ।

वियतनाम की कंपनी विनफास्ट ने घोषणा की है कि उसकी दो इलेक्ट्रिक एसयूवीएस वीएफ 6 और वीएफ 7 को 6 सितंबर 2025 को लॉन्च किया जाएगा। विनफास्ट ने इस साल ऑटो एक्सपो 2025 में अपने मॉडल्स शोकेस किए थे। इसके बाद कंपनी ने हाल ही में भारत में पहला शोरूम भी खोला। लक्ष्य है कि साल के अंत तक 35 डीलरशिप शुरू की जाएं। ग्राहक इन एसयूवीएस को केवल 21,000 रुपये देकर ऑनलाइन प्री-बुक कर सकते हैं। वीएफ 6 में 59.6 केडब्ल्यूएच और वीएफ 7 में 70.8 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया जाएगा। रेंज और परफॉर्मेंस की पूरी जानकारी अभी कंपनी ने साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मौजूदा इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को कड़ी टक्कर देंगी।

दोनों एसयूवीएस का असेंबली कार्य विनफास्ट की तमिलनाडु स्थित टूथूकुडी फैक्ट्री में हो रहा है, जिसकी शुरुआती क्षमता 50,000 यूनिट्स प्रति साल है और भविष्य में इसे बढ़ाकर 1.5 लाख यूनिट्स किया जा सकता है। विनफास्ट की एंट्री इस सेगमेंट को और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। वीएफ 6 और वीएफ 7 न सिर्फ भारत में कंपनी की शुरुआत हैं, बल्कि ईवी बाजार में ग्राहकों को एक नया विकल्प भी देंगी। भारत में पहले से ही टाटा महिंद्रा, एमजी और बीवायडी जैसी कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवीएस पेश कर रही हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा ईएल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली ।

एथर एनर्जी कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित ईएल प्लेटफॉर्म से पर्दा हटा दिया है। इसके बारे में एथर का कहना है कि यह नेक्स्ट-जनरेशन प्लेटफॉर्म उसकी आने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की रीढ़ साबित होगा। इसके तहत कंपनी फैमिली स्कूटर, मैक्सी-स्कूटर और स्पोर्टी परफॉर्मेंस ईवी लॉन्च करेगी। इस मौके पर एथर ने ईएल 01 कॉन्सेप्ट भी दिखाया, जो भविष्य के फैमिली स्कूटर की झलक पेश करता है। कंपनी का पहला नया स्कूटर अगले साल त्योहारी सीजन में बाजार में आएगा और इसका उत्पादन महाराष्ट्र के संभाजी नगर प्लांट में होगा। ईएल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह नए सिरे से डिजाइन किया गया है। इसमें स्केलेबल चेसिस, नया पावरट्रेन और री-इंजीनियर्ड सॉफ्टवेयर स्टैक दिया गया है।

कंपनी का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म लंबे सर्विस अंतराल, तेज असेंबली और दोगुनी तेजी से पीरियोडिक मेंटेनेंस की सुविधा देगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसमें एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम और नया चार्ज ड्राइव कंट्रोलर दिया गया है, जिससे पोर्टेबल चार्जर की जरूरत खत्म हो जाएगी। इवेंट में कंपनी ने अपना सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर अपडेट अथेरस्टेक 7.0 भी पेश किया। इसमें भारतीय भाषाओं के लिए प्रशिक्षित एआई-बेस्ड वॉइस असिस्टेंट, क्रैश अलर्ट, गड्ढों की चेतावनी और चोरी से सुरक्षा के फीचर्स शामिल हैं। एथर ने अगली पीढ़ी की फास्ट चार्जिंग तकनीक भी लॉन्च की है।

यह तकनीक मात्र 10 मिनट में 30 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है, यानी चार्जिंग समय लगभग आधा हो गया है। इन नई घोषणाओं से साफ है कि एथर आने वाले वर्षों में भारतीय ईवी बाजार में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। खास बात यह है कि यह सिस्टम पुराने एथर स्कूटर्स के साथ भी कम्पैटिबल रहेगा और इसे ओटीए अपडेट के जरिए दिया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इनफिनिट क्रूज कंट्रोल सिस्टम पेश किया है, जिसमें सिटीक्रूज, हिल कंट्रोल और क्रॉल कंट्रोल जैसे मोड मिलेंगे।

फीनिक्स मिल्स के शेयरों में उछाल

- नए मॉल्स की लॉन्चिंग और रणनीतिक अधिग्रहण से कंपनी की दीर्घकालिक ग्रोथ को मिलेगा बल

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी फीनिक्स मिल्स के शेयरों में मंगलवार को बीएसई पर करीब 4 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इस उछाल की वजह बनी ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल द्वारा स्टॉक की रेटिंग को नेचुरल से अपग्रेड कर बीयूवाय करना है। इसके साथ ही ब्रोकरेज ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,673 से बढ़ाकर 2,044 रुपए कर दिया है, जो वर्तमान भाव से करीब 35 फीसदी का संभावित रिटर्न दर्शाता है। फीनिक्स मिल्स देशभर में रिटेल-बेस्ड मिक्स्ड-यूज़ प्रॉपर्टीज का निर्माण, लीजिंग और प्रबंधन करती है। कंपनी का फोकस मॉल्स और ऑफिस स्पेस पर है, साथ ही यह हॉस्पिटैलिटी, कमर्शियल और रेसिडेंशियल रियल एस्टेट में भी सक्रिय है। इनकम का प्रमुख स्रोत किराया है जो देशभर में फैले इसके प्रॉपर्टीज से आता है।

ओसवाल का मानना है कि वित्त वर्ष 2027 के बाद भी कंपनी की ग्रोथ स्थिर बनी रहेगी, खासकर नए मॉल्स की शुरुआत और मौजूदा मॉल्स में कंजम्शन बढ़ाने के प्रयासों से। हाल ही में फीनिक्स मिल्स ने आईसलैंड स्टार मॉल डेवलपर्स में शेष 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण भी पूरा किया है, जिससे इसका हाई-क्वालिटी रिटेल पोर्टफोलियो और सशक्त होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूर्यकुमार यादव की नेट्स पर वापसी, एशिया कप के लिए शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव वापसी कर चुके हैं और हाल ही में नेट सत्र के दौरान शानदार लय में दिखे, जहां उन्हें गेंदबाजों की सहजता से धुनाई करते देखा गया। नाजुक स्वीप से लेकर शक्तिशाली लॉफ्टेड शॉट्स तक 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने विशिष्ट स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया जिससे उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी से पहले उनकी तैयारी का संकेत मिलता है।

सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, फाइनल चैक।' भारत की टी20 कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार ने 15 मैचों में 258 रन बनाए हैं। हाल के टी20 मैचों में उनके रनों की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए वह सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 16 मैचों (16 पारियों) में 65.18 की शानदार औसत और 167 से ज्यादा के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 73 रन रहा।'

इस साल जून में IPL के 18वें सीजन के समापन के कुछ हफ्ते बाद सूर्यकुमार ने पुष्टि की कि जर्मनी के म्यूनिख में उनकी स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही। भारत लौटने के बाद उन्होंने COE में अपना पुनर्वास जारी रखा। वह 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। भारत अगले दिन यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपने एशिया कप अभियान की मजबूत शुरुआत करने के लिए सूर्यकुमार के निडर रवैये पर भरोसा करेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर हो गए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए उनके रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया एक अक्टूबर से न्यूजीलैंड के साथ तीन टी20 मैच खेलेगा। उसके बाद वह भारत के खिलाफ तीन वनडे (19-25 अक्टूबर) और पांच टी20 मैच (29 अक्टूबर से आठ नवंबर) खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, 'कमिंस को भारत (और न्यूजीलैंड) के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना जाएगा और वह इस बीच रिहैबिलिटेशन पर रहेंगे।'

सुनील गावस्कर के 'विदेशी अपना देखें' बयान पर ब्रैड हैडन का पलटवार, श्रेयस अय्यर का नाम लेकर दिया ये जवाब

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए जब टीम इंडिया के स्क्वॉड पर कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने सवाल खड़े किए थे। इस कड़ी में कुछ विदेशी खिलाड़ियों ने भी अपनी बयानबाजी की थी। जिस पर पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए ते और उन्होंने इन विदेशी खिलाड़ियों की जमकर आलोचना की थी। लेकिन अब गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैंड हैडिन का जवाब आया है।

गावस्कर ने कहा था कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय टीम के मसलों से दूर रहना चाहिए और अपने देश की क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। हैडिन ने इस बात का जवाब दिया है। ये बहस श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुरु हुई थी।

हैडिन ने विलो टॉक नाम के पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट के मसलों पर बात करना उनका काम है। हैडिन ने कहा कि वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, वह पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। हैडिन पंजाब के बल्लेबाजी कोच हैं।

हैडिन ने कहा कि, हमारा काम विश्व क्रिकेट में जो हो रहा है उस पर अपना विचार रखना है। हम यही करते हैं। मैंने आईपीएल में उन्हें कोच किया है और मैंने जो कहा उस पर मैं कायम हूं। मैं इस बात से हैरान था कि वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। मैं ये नहीं कह रहा कि बाकी जो खिलाड़ी चुने गए हैं वो नहीं चुने जाने चाहिए थे।

हैडिन ने कहा कि, मैंने ये इसलिए कहा था कि क्योंकि जिस तरह से अय्यर ने हमारी टीम को संभाला था। वह शानदार लीडर हैं और जिस तरह से वह दवाब में आगे से टीम का नेतृत्व करते हैं वो बेहतरीन है। उन जैसे खिलाड़ियों को साइडलाइन करते हुए भी भारत के पास अच्छी टीम है।

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले उठाया बड़ा कदम, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

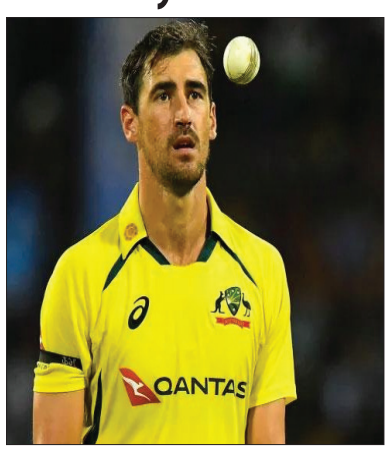

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया।' स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा।'

आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।''

पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 2021 टी 20 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ रोचक मुकाबले में उनकी 7 गेंदों पर 25 रनों की पारी उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार पारी है। आसिफ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अपने जीवन का एक गर्व करने योग्य अध्याय करार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आसिफ ने कहा, 'आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अलहमदुलिल्लाह, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरव की बात रही है। मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरे परिवार और दोस्तों, जो खुशी के पलों में और मुश्किल हालातों में, जिसमें विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी का निधन भी शामिल है, मेरे साथ खड़े रहे, आपकी ताकत ने मुझे आगे बढ़ाया।' आसिफ ने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 58 टी20 और 21 वनडे खेले। टी20 में आसिफ ने 15.18 की औसत से 577 रन बनाए, वहीं वनडे में उन्होंने 25.46 की औसत से 382 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी वनडे अप्रैल 2022 में लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था जबकि अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच उन्होंने अगस्त 2023 में एशियन गेम्स में बांग्लादेश के ख़िलाफ टी20 प्रारूप में खेला। आसिफ को 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू का मौका मिला था, डेब्यू से पहले उन्होंने उस साल क्वारु में इस्लामाबाद यूनाइटेड को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके दो महीने बाद ही उन्हें वनडे में डेब्यू करने का मौका मिला लेकिन प्रदर्शन की निरंतरता की कमी के चलते वह टीम में स्थाई जगह हासिल नहीं कर पाए। आसिफ हाल ही में पाकिस्तान चैंपियंस के लिए भी खेलते नजर आए थे। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 28 रनों की पारी खेली थी।

एकदिवसीय क्रिकेट के पहले 55 मैचों में सचिन और विराट से आगे हैं शुभमन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन एकदिवसीय में भी काफी अच्छा रहा है। यहां तक कि वह शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे नजर आते है। सचिन और विराट के नाम विश्व क्रिकेट में कई रिकार्ड हैं। शुभमन ने अभी तक 55 एकदिवसीय ही खेले हैं। ऐसे में अगर विराट और सचिन के पहले 55 एकदिवसीय मुकाबलों से उनकी तुलना करें तो शुभमन आगे दिखते हैं।

सचिन तेंदुलकर : सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 463 मैच खेले जिसमें 44.83 की औसत के साथ 18426 रन बनाए। हालांकि सचिन के एकदिवसीय करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले 55 एकदिवीसय में सचिन के नाम एक भी शतक नहीं है। उनका पहला शतक 79वें एकदिवसीय में बना था। 55 एकदिवसीय के बाद उनके 31.76 की औसत से केवल 1556 रन थे।

विराट कोहली : विराट के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 302 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 57.9 की औसत के साथ 14181 रन ही बनाए हैं। पहले 55 एकदिवसीय के बाद विराट के सचिन तेंदुलकर से अधिक 2059 रन थे, जो उन्होंने 42.9 की औसत के साथ बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी लगाये थे।

शुभमन : शुभमन पहले 55 एकदिवसीय के बाद रनों और शतक के साथ ही औसत के मामले में भी कहीं आगे हैं। शुभमन ने अभी तक 59.04 की औसत के साथ 2775 रन बनाये हैं। उनके नाम 8 शतक है। इससे पता चलता है कि शुभमन सचिन और विराट की तुलना में काफी बेहतर है। अब देखना होगा कि आगे वह अपनी बढ़त बनाये रख पाते हैं या नहीं।

टेस्ट सहित सभी प्रारुपों में खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से टी20 क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह जिस प्रकार लंबे-लंबे छक्के लगाकर रन बनाते हैं उससे वह लोगों के पसंदीदा बल्लेबाज बन गये हैं और उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाने लगा है। वहीं रिंकू ने कहा कि वह केवल टी20 के विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं बने रहना चाहते। उनका सपना भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलना है। रिंकू निचले क्रम पर तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यही खूबी उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अब तक 33 टी20 आई में रिंकू ने 42 की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 546 रन बनाए हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अभी तक 50 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 54.68 की औसत के साथ 3336 रन बनाए हैं।

इस दौरान उनके नाम 22 अर्धशतक और 7 शतक हैं। रिंकू से पूछा गया कि अकसर आपको टी20 स्पेशलिस्ट का टैग दिया जाता तो उन्होंने कहा, फ्मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है, और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं पर मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है, वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। मैंने भारत के लिए दो एकदिवसीय मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे एक ही प्रारुप तक में सीमित रहना पसंद नहीं ; मैं खुद को सभी फॉर्मेट का खिलाड़ी मानता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है, और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा। वह सुरेश रैना अपना आदर्श मानते हैं। '

एशिया कप से पहले पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, संजू सैमसन प्लेइंग 11 में नहीं हो सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एशिया कप के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में चुना गया है। लेकिन पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान को लगता है कि सैमसन को प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिलेगा और ऐसा शुभमन गिल को जगह देने के कारण होगा।

इरफान ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'संजू ने वाकई अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी निरंतरता पर एक सवालिया निशान है। या तो वह शतक जड़ेंगे या सस्ते में आउट हो जाएंगे। जाहिर है कि अभिषेक शर्मा टीम में होंगे क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं और उनका स्ट्राइक रेट कमाल का है। चूंकि जितेश शर्मा टीम में हैं, इसलिए उनके पास शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाने का विकल्प है। मैं भी यही विकल्प चुनूंगा।'

इस पूर्व ऑलराउंडर ने बताया कि कैसे

भारतीय क्रिकेट में अगले ऑल-फॉर्मेट कप्तान की तलाश ने गिल को अचानक से मौका दे दिया है। वे रोहित शर्मा का विकल्प चाहते हैं, और इस समय गिल सबसे अच्छा विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट इस समय नेतृत्व की तलाश में है। जब एमएस धोनी आए, तो हम बदलाव के दौर से गुजर रहे थे, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने तुरंत विश्व कप (2007 में टी20) जीत लिया। धोनी के बाद विराट कोहली आए और उन्होंने कमान संभाली। फिर रोहित शर्मा आए और उन्होंने भी शानदार प्रदर्शन किया। हम हमेशा एक ऐसे नेतृत्वकर्ता की तलाश में रहते हैं जो भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सके। इसलिए गिल को खेलने के लिए सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। बेशक, विकेटकीपर को मध्यक्रम में आजमाया जा सकता है, लेकिन यह सैमसन और उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय होगा जो पहले से ही उस क्रम पर खेल रहे हैं।'

इरफान ने आगे कहा, 'शुभमन गिल को जगह देने के लिए संजू को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल सकती। यह मुश्किल होगा। अगर वह निचले क्रम में खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं? सैमसन को पांचवें नंबर पर खिलाएं। अगर ऐसा हो सकता है तो जितेश की जगह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन गिल को ऊपरी क्रम में खेलना चाहिए, क्योंकि तिलक वर्मा ने तीसरे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।'

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

स्टैंडबाय : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, यशस्वी जयसवाल।

सीएसके से ही अधिक सफल रहे हैं अश्विन : डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का कहना है कि स्पिनर आर अश्विन को चेन्नई सुपरकिंग्स नहीं छोड़नी चाहिये थी। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते थे। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अश्विन अब विदेशी लीग में खेलने जा रहे हैं। अश्विन ने आईपीएल में सीएसके के अलावा राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेला है। अश्विन सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। करियर की शुरुआत भी उन्होंने इसी टीम के साथ की थी। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि जब वह अन्य टीमों के लिए खेलते थे तो स्थापित नहीं हो पाते थे। आईपीएल करियर में अश्विन ने 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले हैं। डिविलियर्स ने कहा, शानदार करियर। कहना ही पड़ेगा, क्या शानदार खिलाड़ी था। खेल का क्या वैज्ञानिक था। खेल का एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर। वह हमेशा नियमों की सीमा तक जाता था। आम तौर पर सही होता था, भले ही उस पर थोड़ी-बहुत नाराजगी भी होती थी। मैं खेल का अध्ययन करने वाले लोगों का बहुत सम्मान करता हूं और वह ऐसे ही क्रिकेटरों में से एक था। उन्होंने साथ ही कहा, अविश्वसनीय कौशल। भारत में एक महान खिलाड़ी और आइकन। उन्होंने वर्षों तक टीम इंडिया और सीएसके के लिए कई मैच जीते हैं। उन्होंने दूसरी टीमों के लिए भी खेला, लेकिन उन टीमों में कभी भी अपने को स्थापित महसूस नहीं किया। मेरे विचार से, उन्हें हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स में ही रहना चाहिए था। जाहिर है, यह उन पर निर्भर नहीं था, क्योंकि उन्हें टीम में बनाए रखने और टीम के चयन में कई तरह की बातें शामिल होती हैं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखूंगा।

त्रिकोणीय सीरीज : राशिद की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर दर्ज की पहली जीत

शारजाह । कप्तान राशिद खान की जबरदस्त गेंदबाजी से अफगानिस्तान की टीम ने यहां तिकोणीय क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान यूएई को हरा दिया। ये इस सीरीज में अफगान टीम की पहली जीत है। इससे उसे 2 अंक मिले हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार अर्धशतकों से 188 रन बनाये। इसके बाद मेजबान यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना पायी और उसे 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

पंजाब में बाढ़ से टूटा भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दिल, हरभजन सिंह ने बढ़ाया मदद का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को अपने गृह राज्य पंजाब में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से हुई भारी तबाही पर दुख व्यक्त किया। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार बाढ़ ने 12 जिलों के 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में गिल ने लिखा, 'अपने पंजाब को बाढ़ से तबाह देखकर दिल टूट गया। पंजाब हमेशा किसी भी विपत्ति से अधिक मजबूत रहेगा, और हम इससे उबरेंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।'

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए 10 नावें उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने लोगों से आगे आकर पंजाब के लिए अपना समर्थन दिखाने का अनुरोध भी किया।

हरभजन ने बताया, 'पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं। मैं खुद प्रभावित इलाकों में गया हूं। पंजाब में हम सभी लोगों के लिए यह एक मुश्किल समय है। हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। मैं सभी जत्थेबंदियों और विभिन्न संगठनों का धन्यवाद करता हूं जो लोगों को बचाने में मदद कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुश्किल घड़ी में हमारी मदद करने का अनुरोध किया है। हम भारत के अन्नदाता हैं। मैं और लोगों से मदद के लिए आगे आने का अनुरोध करता हूं। पंजाब अब सभी की समस्या के साथ खड़ा है। पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं।'

तत्काल राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 129 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 7,144 लोग रह रहे हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,987 लोग हैं, उसके बाद फाजिल्का (1,201), होशियारपुर (478), पठानकोट (411) और गुरदासपुर (424) हैं। अब तक कुल 1,044 गांव प्रभावित हुए हैं जिनमें गुरदासपुर में सबसे अधिक 321 गावं हैं, उसके बाद कपूरथला (115), होशियारपुर (94), अमृतसर (88) और पठानकोट (82) हैं।

गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां लगभग 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में अमृतसर (35,000), फिरोजपुर (24,015) और फाजिल्का (21,562) शामिल हैं। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए कई एजेंसियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) ने 20 टीमें तैनात की हैं, जबकि सेना, नौसेना और वायु सेना ने 10 टुकड़ियां तैनात की हैं, जिनमें से 8 स्टैंडबाय पर हैं, साथ ही उनकी संबंधित इंजीनियर इकाइयां भी हैं। 114 नावों और एक सरकारी हेलीकॉप्टर की मदद से 35 से ज्यादा हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। सीमा सुरक्षा बल (BSF) को भी प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजार । यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा। गौरतब है कि 1 सितंबर की देर रात आए भूकंप से अफगानिस्तान में 800 से ज्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा 2,800 से ज्यादा लोग इस घायल भी हुए हैं। इलाके के घर भी तबाह हो गये हैं। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की सहायता के लिए आगे आए हैं। खाद्य सामग्री के साथ-साथ मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, टीम ने भूकंप पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखायी है। अफगानिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ होने वाले मैच की अपनी पूरी मैच फीस और अतिरिक्त राशि भूकंप से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए देने की बात कही है। इसके अलावा, खोस्त प्रांत में चल रहे क्षेत्रीय लिस्ट ए टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ी भी अपना दान एकत्र करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोर्स चुनते समय
इन बातों का रखें ध्यान

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

बड़े काम की हैं फ्रीलांसिंग

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

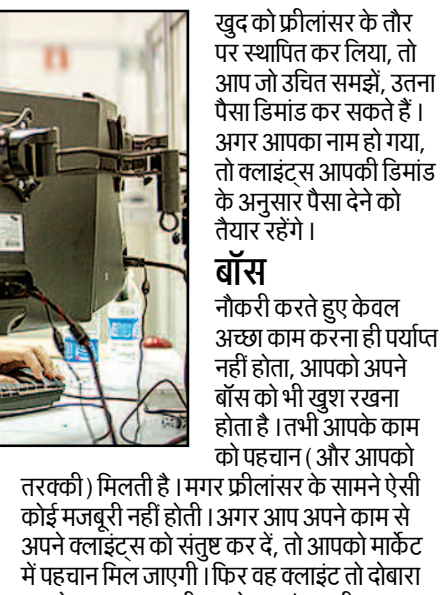

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।

स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है।

शॉपिंग के साथ कमाई भी करें!

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं।

इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

टेलिफोनिक इंटरव्यू देते समय अपनाएं ये तरीके

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है। आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

इंटरव्यू के दौरान

कुछ क्षण चाहिए।

- बहुत तेज या जोर से न बोलें।
- बोलते समय मुस्कराते रहें। इंटरव्यूअर भले ही आपको देख न पाए लेकिन मुस्कराहट का प्रभाव आपकी आवाज में दिखाई दे जाएगा।
- शुरुआत में ही इंटरव्यूअर का नाम पूछ लें और इंटरव्यू के दौरान बार-बार उन्हें सम्मानपूर्वक नाम लेकर संबोधित करें।
- इंटरव्यूअर की बात कतई न काटें।
- इंटरव्यू की समाप्ति पर इंटरव्यूअर को धन्यवाद दें और चयन प्रक्रिया के अगले चरण के बारे में पूछ लें।

- कुछ भी खाएं या चबाएं नहीं। धूम्रपान भी कतई न करें।
- बिस्तर पर बैठकर बात न करें। इससे आपकी आवाज में एक इनफॉर्मल अंदाज झलक ही जाएगा, जो ठीक नहीं है।
- अगर किसी सवाल का जवाब देने के लिए आपको कुछ सोचना पड़े, तो अटपटी खामोशी न पसरने दें। स्पष्ट रूप से कहें कि आपको इसका जवाब सोचने के लिए

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जापानी पर्यटक से 1000 रु रिश्वत लेने का वीडियो वायरल, गुरुग्राम में तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम पुलिस की छवि पर बड़ा सवाल उठ गया है। एक जापानी टूरिस्ट ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर आरोप लगाया कि ट्रैफिक चेकिंग के दौरान उससे रू.1000 बिना रसीद लिए गए। वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। वीडियो सामने आते ही डीसीपी ट्रैफिक डॉ. राजेश मोहन ने सख्त कदम उठाए। उन्होंने एक जोन ऑफिसर, एक पुलिसकर्मी और एक होमगार्ड को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया। जापानी पर्यटक ने पूरा वाकया अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में दिख रहा है कि उससे रू.1000 की रकम ली गई, लेकिन कोई चालान या रसीद नहीं दी गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस पर दबाव बढ़ा। फिलहाल, गुरुग्राम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ को लेकर विपक्ष के नेता ने गृह मंत्री से की मुलाकात

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने हाल ही में जम्मू क्षेत्र में बादल फटने, भारी बारिश और बाढ़ से हुए भारी नुकसान के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राजभवन, जम्मू में मुलाकात की। शर्मा ने गृह मंत्री को बताया कि इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, पशुधन नष्ट हुआ है और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़कों के बह जाने से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं, जबकि बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं ठप हो चुकी हैं। शर्मा ने इस संकट से जूझ रहे प्रभावित लोगों के लिए केंद्र सरकार से तत्काल राहत एवं पुनर्वास की मांग की। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष केंद्रीय टीमों के गठन की मांग की ताकि पारदर्शी ढंग से सर्वेक्षण हो और वास्तविक जरूरतों के अनुसार सहायता दी जा सके। शर्मा ने तत्काल राहत पैकेज की आवश्यकता बताई, जिसमें वित्तीय सहायता, अस्थायी आश्रय, खाद्य सामग्री और बुनियादी सेवाओं की बहाली शामिल हो। उन्होंने सड़कों, बिजली और जल आपूर्ति जैसी क्षतिग्रस्त बुनियादी सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए दीर्घकालिक योजना पर बल दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ है और सभी जरूरी कदम समय पर उठाए जाएंगे। यह मुलाकात आपदा से निपटने के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

लगातार आठवां दिन स्थगित रही श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा मंगलवार को भी भी स्थगित रही। यह लगातार आठवां दिन था जब यात्रा रोकी गई थी। लगातार बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण एहतियात के तौर पर कटरा से यात्रा रोक दी गई है। खराब मौसम और भूस्खलन की वजह से सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। बात दें कि प्रशासन और श्राइन बोर्ड के अधिकारी स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं और क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत का काम चल रहा है। 27 अगस्त को हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत के बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटना की जांच के लिए एक तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति दो हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जम्मू-कश्मीर का दौरा कर बाढ़ और पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की है।

यात्रा कब शुरू हो सकती है?

अभी यात्रा फिर से शुरू होने की कोई निश्चित तारीख़ नहीं जाहिर की गई है। यह पूरी तरह से मौसम की स्थिति और मरम्मत कार्यों के पूरा होने पर निर्भर करेगा। जैसे ही हालात सुरक्षित होते हैं, अधिकारियों द्वारा यात्रा फिर से शुरू करने की घोषणा की जाएगी। आप यात्रा से जुड़ी नई जानकारी के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया चैनलों पर नज़र रख सकते हैं।

एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही इंडिगो विमान से टकराया पक्षी, वापस लौटा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान मंगलवार सुबह उड़ान भरते ही पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर लौटना पड़ा। इसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई। बता दें इससे पहले रविवार को दिल्ली से इंदौर जाने वाले एयरइंडिया के विमान भी वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक पायलट्स को उड़ान भरने के बाद ही दूसरे नंबर के इंजन में आग लगने के संकेत मिले थे। इसके बाद एटीसी ने इमर्जेंसी का ऐलान किया और विमान को वापस लौट लिया। विमान के लैंड करने से पहले ही फायर और राहत-बचाव टीमें तैयार थीं। यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान का इंतजाम किया गया। डीजीसीए भी इस घटना की समीक्षा करेगा। वहीं पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान में आग लगने के संकेत क्यों मिले थे।

बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में किया प्रवेश तो होगी 5 साल जेल

केंद्र सरकार ने लागू किया नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में रह रहे या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले विदेशियों के लिए सख्त कानून सोमवार से लागू हो गया। भारत सरकार के नए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में प्रवेश करने पर पांच साल जेल और पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। नए नियम के मुताबिक यदि प्रवेश, निवास या निकास जाली पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के आधार पर की गई है तो 2 से 7 साल की जेल और 1 लाख से 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना होगा। भारत सरकार का यह नया कानून 1 सितंबर 2025 से लागू हो गया है। केंद्र ने इसे संसद के बजट सत्र में पारित होने के बाद अधिसूचित किया है।

सरकार द्वारा लाए गए नए कानून इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 ने चार पुराने कानूनों- फॉरेनर्स एक्ट, 1946, पासपोर्ट (एंट्री इनटू इंडिया) एक्ट, 1920, रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेनर्स एक्ट, 1939 और इमिग्रेशन (कैरियर्स लायबिलिटी) एक्ट, 2000 निरस्त कर दिया है। सभी कानून इस कानून में समाहित हैं। इसका उद्देश्य विदेशियों के प्रवेश, निवास और प्रस्थान को नियंत्रित करने के लिए एक मजबूत और एकीकृत ढांचा तैयार करना है। यह कानून भारत की सीमाओं की सुरक्षा और अवैध एमीग्रेसन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम है।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर एक्ट 2025 के नियम 1 सितंबर से लागू हुए, अप्रैल 2025 में यह बिल संसद में पारित हुआ था। इस बिल के तहत ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को विदेशी नागरिकों की भारत में स्क्रूटनी और उन पर कार्रवाई के कानूनी अधिकार दिए गए हैं। इस बिल के तहत नियमों का उल्लंघन कर भारत में आए विदेशी नागरिकों को तुरंत डिपोर्ट करने के लिए ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के पास संवैधानिक अधिकार होगा और वह संबंधित राज्यों से कोआर्डिनेट करेगा। यही नहीं इन नियमों के तहत अवैध तरीके से जिस संस्थान में चाहे वह होटल हो शिक्षण संस्थान हो या फिर और कुछ भी, वहां विदेशी नागरिकों की आवाजाही हो तत्काल प्रभाव से उसका रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जाएगा।

विदेशी नागरिकों का डेटाबेस राज्य सरकार बरकरार रखेगी। समय-समय पर यह ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन जानकारी देती रहेंगी। भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले विदेशी नागरिक जो कि भारतीय वीजा और पासपोर्ट की आड़ में भारत में रहते हैं, उन पर लगाम लगाने यह बिल लाया गया था। गृह मंत्रालय ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है और तत्काल प्रभाव से यह नियम लागू होंगे। कानून के तहत सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को विदेशी छात्रों का विवरण पंजीकरण अधिकारियों के साथ साझा करना जरुरी है। इसी तरह अस्पतालों, नर्सिंग होम और आवास सुविधा वाले चिकित्सा संस्थानों को भी विदेशी मरीजों की जानकारी देनी होगी। केंद्र सरकार को अब विदेशियों के प्रवेश, प्रस्थान या आवाजाही को प्रतिबंधित करने, उनके बायोमेट्रिक्स लेने और विशिष्ट गतिविधियों में उनकी भागीदारी पर रोक लगाने का अधिकार है।

नए कानून का मकसद अवैध आव्रजन, मानव तस्करी और जाली दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकना है। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अहम है, जहां सीमा पार से अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आती हैं, जैसे पश्चिम बंगाल, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और विदेशियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के लिए बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल में जावेद अख्तर का विरोध, रोकना पड़ा मुशायरा

कोलकाता (एजेंसी)। मशहूर फिल्म गीतकार जावेद अख्तर पर अल्पसंख्यक विरोधी बयान देने का आरोप पश्चिम बंगाल जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने लगाया है। जिसके चलते पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी को अपना चार दिन का सांस्कृतिक कार्यक्रम पोस्टपोन करना पड़ा। बता दें इस कार्यक्रम के लिए गीतकार जावेद अख्तर को आमंत्रित किया गया था, तभी से उनका विरोध किया जा रहा था। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख इस समय टीएमसी नेता सिद्दीकुल्लाह चौधरी हैं। वह पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री भी हैं। बता दें कि शनिवार को ही अकादमी में हिंदी सिनेमा में उर्दू नाम का कार्यक्रम शुरू हुआ था। इस इवेंट में पॉप्युलर कल्चर में उर्दू के महत्व को रेखांकित किया जाना था। वहीं जावेद अख्तर को मुशायरे की अध्यक्षता करने के लिए बुलाया गया था। अकादमी ने कार्यक्रम को पोस्टपोन करने का ऐलान किया है हालांकि इसके पीछे की वजह नहीं बताई है। जमीत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से अकादमी को पत्र लिखकर कहा गया था कि जावेद अख्तर की उपस्थिति से अल्पसंख्यक समुदाय आहत हो सकता है। पत्र में कहा गया कि जावेद अख्तर इस्लाम को लेकर अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदाय उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता। पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की स्थापना 1987 में हुई थी। उस समय पश्चिम बंगाल में वामपंथी सरकार थी। पश्चिम बंगाल में जमीयत के महासचिव मुफ्ती अब्दुस सलाम ने कहा कि जावेद अख्तर ने इस्लाम का अपमान किया है और इसलिए वे उनका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, जावेद अख्तर प्रसिद्ध व्यक्ति हैं और उर्दू में उनका योगदान भी महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने इस्लाम को लेकर टिप्पणी करके गलत किया। जब लोगों को पता चला कि जावेद अख्तर को बुलाया गया है तो विरोध शुरू हो गया। वैसे भी पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी अल्पसंख्यकों के लिए ही है। ऐसे में उसे अल्पसंख्यकों की भावनाओं की भी कद्र करनी होगी।

जयपुर के रामगढ़ बांध में कृत्रिम बारिश कराने का प्रयास सफल, 0.8 मिमी बारिश दर्ज

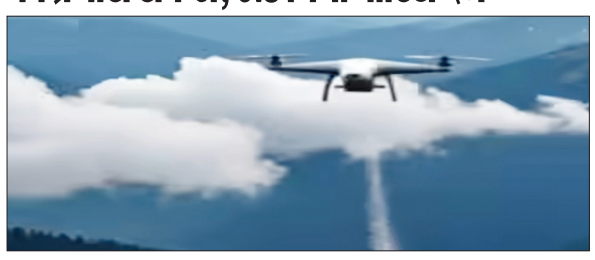

-कंपनी का दावा- मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में जयपुर जिले के रामगढ़ बांध में सोमवार को कृत्रिम बारिश कराने का तीसरा प्रयास सफल रहा। एक्सेल-1 कंपनी ने हाइड्रोट्रेस प्लेटफॉर्म और स्वदेशी ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए यह प्रयोग किया गया। इससे पहले 12 और 18 अगस्त को भी प्रयास किए गए थे जो विफल रहे। तीसरे प्रयास में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। कंपनी ने दावा किया कि यह सफलता भारत में मौसम प्रबंधन और जल संकट से निपटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रयोग में एआई-संचालित तकनीक का इस्तेमाल किया गया, जिसने क्लाउड माइक्रो फिजिक्स को बेहतर बनाया। क्लाउड सीडिंग के दौरान सिल्वर आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड और ड्राई आइस जैसे रसायनों को बादलों में छोड़ा गया, जिससे नमी वाली सूक्ष्म बूंदें भारी होकर बरसीं। 12 अगस्त को तकनीकी समस्या के कारण ड्रोन का जीपीएस सिस्टम प्रभावित हुआ और प्रयोग बीच में ही रुक गया। 18 अगस्त को दूसरा प्रयास भी नाकाम रहा क्योंकि ड्रोन नियंत्रण खो बैठा और खेतों में जा गिरा।

वहीं 1 सितंबर को तीसरे प्रयास में तकनीकी खामियों को दूर किया गया और तीसरा प्रयोग सफल रहा और बांध पर हल्की बारिश दर्ज की गई। रामगढ़ बांध क्षेत्र में 0.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी हल्की फुहारें पड़ीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और गांव दोनों जगह इंच भर बारिश हुई, हालांकि कंपनी ने इसे सीमित सफलता मानते हुए 0.8 मिमी आंकड़ा बताया है।

वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस उपलब्धि को राजस्थान के जल प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह मेक इन इंडिया नवाचार भारत की जलवायु सहनशीलता और आत्मनिर्भरता को मजबूती देगा।

हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की मांग को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश देने की बात कही गई थी ताकि लोग एसआईआर के बाद तैयार बिहार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। कोर्ट ने कहा कि आधार की स्थिति को कानून में तय सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की युगल पीठ ने पहले कहा था कि वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य दस्तावेजों के साथ आधार एक पहचान दस्तावेज हो सकता है।

वहीं, सोमवार को कोर्ट ने कहा कि आधार वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेजों में से एक होगा। जब राजद के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग कोर्ट के आदेश के बावजूद मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों के लिए आधार को पहचान के एकमात्र प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं कर रहा है, तो पीठ ने कहा कि हम आधार अधिनियम द्वारा तय सीमा से आगे आधार की स्थिति नहीं बढ़ा सकते हैं। हम पुट्टस्वामी फैसले में आधार को बरकरार रखते हुए पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा कही गई बातों से भी आगे नहीं जा सकते हैं।

आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण, अपने आप में किसी आधार संख्या धारक के संबंध में नागरिकता या निवास का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा या उसका प्रमाण नहीं होगा। सितंबर 2018 के पुट्टस्वामी मामले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पांच-जजों की बेंच ने कहा था कि आधार संख्या अपने आप में नागरिकता या निवास के अधिकार का प्रावधान नहीं करती है।

जब राजनीतिक दलों समेत अन्य याचिकाकर्ताओं के वकील आधार को पहचान के बायोमेट्रिक प्रमाण से बढ़ाकर मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए नागरिकता का प्रमाण बनाने की मांग में शामिल हुए, तो पीठ ने पूछा कि आधार पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? हम यह आदेश नहीं देंगे कि आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण है।

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट ने कहा कि आधार के लिए बार-बार दलील इसलिए दी जा रही है क्योंकि बिहार में कुछ जिले ऐसे हैं जहां आधार सैचुरेशन 140 फीसदी है। इसका मतलब है कि वहां बड़े पैमाने पर फर्जी पहचान पत्रों का प्रचलन है। केंद्र ने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे अवैध बांग्लादेशी प्रवासी और रोहिंग्या कुछ राज्यों में धोखाधड़ी से आधार कार्ड बनवाने में कामयाब रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और बूथ स्तर के एजेंटों को सक्रिय करें ताकि वे उन लोगों की पहचान कर सकें जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए हैं। ऐसे लोगों को चुनाव आयोग के बूथ स्तर के अधिकारियों के समक्ष दावा दायर करने में मदद करें ताकि उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर हमला... पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। सांसद मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि वे पंजाब के पैसों का दुरुपयोग अपनी निजी मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं, जबकि राज्य में लोग बाढ़ की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। मालीवाल ने दावा किया है कि पंजाब सरकार केजरीवाल के पालतू गुंडे बिभव कुमार के वेतन, भत्ते और जेड प्लस सुरक्षा पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब केजरीवाल के लिए एटीएम नहीं है और न ही यह आप के नेताओं के लिए शरणस्थली है। मालीवाल ने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि जब पंजाब में इतनी बड़ी आपदा आई है, तो वह लोगों के साथ जमीन पर नहीं हैं, जबकि छोटे-मोटे कार्यक्रमों के लिए वह पंजाब के राजाओं की तरह घूमते हैं। उन्होंने केजरीवाल से पंजाब के प्राइवेट जेट और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल अपने निजी मनोरंजन और टैक्सी की तरह करना बंद करने को कहा। उनके अनुसार, पंजाब के करोड़ों रुपये पहले ही उनकी विलासिता पर बर्बाद हो चुके हैं।

पंजाब के किसान चिंता नहीं करें, केंद्र बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ: शिवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में बैठक कर कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा की। उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश की जानकारी ली। उन्होंने पंजाब के कुछ इलाकों में आई बाढ़ व फसलों पर इसके असर के बारे विस्तारपूर्वक अधिकारियों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भाई-बहन बिल्कुल चिंता नहीं करें, केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में प्रभावित किसानों के साथ खड़ी हैं। चौहान ने कहा कि वे आगामी दिनों में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे और मौके पर पीड़ित किसानों से भी मिलकर उनकी हरसंभव मदद की कोशिश करेंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर में कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि खरीफ बुवाई क्षेत्रफल में पिछले वर्ष के मुकाबले आशाजनक वृद्धि हुई है। खाद्यान्न फसलों के साथ ही बागवानी क्षेत्र की प्रगति के बारे में भी चौहान ने जानकारी ली। विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर के उत्पादन की स्थिति और कीमतों के बारे में उन्होंने जानकारी हासिल की। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश और जलाशयों की स्थिति के बारे में भी बताया, जिसमें कहा गया कि कई राज्यों में इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई, जो फसलों के लिए लाभदायक स्थिति है। अच्छी बारिश से जलाशय भरे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि खाद्यान्न फसलों के साथ ही किसानों को बागवानी सहित इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि किसानों को अधिक लाभ हो सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य की मांग के मद्देनजर हमें खेतों में अनाज के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास करना होगा। बागवानी और 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग÷ इस दिशा में कारगर उपाय है। उन्होंने 'इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल' के किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी निर्देशित किया।

प्रधानमंत्री मोदी चीन के सामने झुके, राष्ट्रहित से किया समझौता: जयराम रमेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चीन को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हुई मुलाकात भारत के लिए चिंता का विषय है और यह मुलाक़ात राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात साबित हुई है।

जयराम रमेश ने बयान में कहा कि लंबे समय से भारत, चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड और दोहरी भाषा अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन तियानजिन वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी से कहा कि भारत और चीन दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। कांग्रेस नेता ने इसे देश की झुकने वाली विदेश नीति करार देते हुए कहा- अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है?

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत का खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बातचीत में इस मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं कहा। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी को सीधे-सीधे घेरते हुए कहा, ÷स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया था। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके कायरतापूर्ण दंभ के लिए बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस ने मोदी सरकार की चीन नीति को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री की ढील और चुप्पी से भारत की सुरक्षा और सम्मान पर गहरा आघात हुआ है। पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार लगातार चीन के दबाव में काम कर रही है और वास्तविकता को देश की जनता से छिपाया जा रहा है।

आधे भारत में भारी बारिश का अलर्ट, कई राज्यों में स्कूलों की करना पड़ी छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधे भारत के ज्यादातर राज्यों में सितंबर की शुरुआत भारी बारिश के साथ हुई है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सोमवार सुबह से शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। इस वजह से सड़कों पर लंबा जाम लग गया और लोग जगह-जगह जलभराव की समस्या से जूझते हुए भी नजर आए। नोएडा और गुरुग्राम में लोग कई घंटों तक जाम में फंसे रहे। इसी स्थिति और मौसम विभाग के अलर्ट को ध्यान में रखते हुए आज कई जिलों में स्कूल बंद रहेंगे।

पिछले कई दिनों से जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ से हालात खराब हैं। कई इलाकों में बादल फटने की घटनाएं भी देखी गईं। मौसम की स्थिति को देखते हुए 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। उत्तराखंड के चमोली में भी आज 1 से 12वीं तक की कक्षाएं समेत आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित की गई है। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के भी यही हाल हैं। पंजाब की मान सरकार ने भारी बारिश के अलर्ट के चलते 3 सितंबर 2025 तक स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 3 सितंबर 2025 तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम को देखते हुए कई जिलों में 2 सितंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, रायबरेली और अलीगढ़ के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, संभल, बदायूं और आस-पास के इलाकों में आज भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में सोमवार सुबह शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। आज भी कई जगहों पर बारिश का अलर्ट है। मौसम और शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों को आज बंद रखने का फैसला लिया गया है। गुरुग्राम प्रशासन ने स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेस और ऑफिस में वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है। बीती शाम को बारिश और जलभराव की वजह से गुरुग्राम में 5-5 किमी जाम की समस्या हो गई थी। इसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर सड़क हादसे में घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी न्यू हैम्पशायर में एक कार दुर्घटना में घायल हो गए हैं। उनके प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि इस हादसे में गिउलिआनी की रीढ़की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है और उन्हें अन्य चोटें भी आई हैं। न्यू हैम्पशायर पुलिस ने एक बयान में बताया कि गिउलिआनी एक किराए की फोर्ड ब्रॉन्को कार में सवार थे, जिसे उनके प्रवक्ता टेड गुडमैन चला रहे थे। शनिवार देर रात उनकी गाड़ी को पीछे से एक होंडा एचआर-वी ने टक्कर मार दी। यह कार 19 साल की एक महिला चला रही थी। पुलिस अधिकारियों ने खुद इस हादसे को होते हुए देखा। टक्कर के बाद दोनों वाहन राजमार्ग के बीच बने डिवाइडर से टकराए और काफी क्षतिग्रस्त हो गए। गुडमैन और कार चलाने वाली युवती को हल्की चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अल्बनीज ने भारतीयों के खिलाफ अभियान किया खारिज

कैनेबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के बढ़ते प्रवास के खिलाफ देश के विभिन्न शहरों में चलाए जा रहे अभियानों की सरकार ने निंदा करते हुए उन्हें अस्वीकार कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने कहा कि इस नस्लवाद व जाति आधारित अति-दक्षिणपंथी सक्रियता के लिए देश में कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की सरकार सप्ताहांत के लिए नियोजित इन रैलियों के खिलाफ है। सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों को, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, हमारे समुदाय में सुरक्षित व स्वागतयोग्य महसूस करने का अधिकार है।

हमास ने सिनवार के मारे जाने की पुष्टि की, हद्दाद संभालेगा कमान

गाजा, एजेंसी। फलस्तीनी समूह हमास ने तीन महीने बाद शनिवार को अपने सैन्य प्रमुख मोहम्मद सिनवार के मारे जाने की पुष्टि की है। इस्राइली सेना ने मई में ही मोहम्मद सिनवार को मार गिराने का दावा किया था। मोहम्मद सिनवार की मौत की पुष्टि के बाद अब उसका करीबी सहयोगी इज अल-दिन हद्दाद संगठन की कमान संभालेगा। हद्दा अब तक उत्तरी गाजा में हमास का अभियान संभाल रहा था। हमास ने सिनवार की तस्वीर समूह के अन्य नेताओं के साथ प्रकाशित की है और सभी को शहीद बताया है। मोहम्मद सिनवार इस्लामिक समूह के प्रमुख याह्या सिनवार का छोटा भाई था। इस्राइल याह्या सिनवार को सात अक्तूबर, 2023 के हमले का मास्टरमाइंड मानता है। याह्या पिछले साल एक लड़ाई में मारा गया था। भाई की मौत के बाद मोहम्मद सिनवार समूह के शीर्ष पद पर पहुंचा था।

रूसी वाणिज्य दूतावास के गेट से टकराया वाहन, व्यक्ति गिरफ्तार

टोक्यो, एजेंसी। रूस के वाणिज्य दूतावास के गेट पर वाहन से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे पूर्वी उपनगर वूलाहरा में वाणिज्य दूतावास की पार्किंग पर एक बिना अनुमति वाला वाहन खड़ा होने की सूचना मिली। पुलिस ने चालक से बात करने की कोशिश की लेकिन, उसने टोयोटा क्लूगर वाहन से गेट पर टक्कर मार दी। इस घटना में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए और उनका उपचार किया गया। एसयूवी दूतावास में राष्ट्रीय ध्वज लगाने के खंभे पर रुकी। आरोपी व्यक्ति (39 वर्षीय) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ किन धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है, पुलिस ने इसकी जानकारी नहीं दी है। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में स्थित रूसी दूतावास ने टिप्पणी के लिए अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

अफगानिस्तान में भूकंप से भारी तबाही, मृतकों की तादाद बढ़कर हुई 250 के पार, 500 से ज्यादा घायल

काबुल, एजेंसी। पड़ोसी देश अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रविवार की देर रात आए भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अफगानिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने सोमवार को यह जानकारी दी है। मीडिया के अनुसार प्रांतीय आपदा प्राधिकरण ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या प्रारंभिक है, बचाव दल सीमित संचार व्यवस्था के साथ दूरदराज के इलाकों में पहुँच रहे हैं।

आधिकारिक मीडिया ने बताया कि नुकसान का पूरा आंकलन करने और प्रभावित समुदायों को सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी हैं। अफगानिस्तान राष्ट्रीय रेडियो और टीवी ने पहले पूर्वी नंगरहार प्रांत में नौ लोगों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की सूचना दी थी। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गई, जो शक्तिशाली श्रेणी में आता है। भूकंप इतना तीव्र था कि इसके झटके पूरे पाकिस्तान और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किए गए। झटके महसूस होते ही लोग अपने-अपने घरों से बाहर आ गए। एनसीआर वासियों ने बताया कि देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इमारतें हिल गईं, और लोग बाहर भाग निकले।

भूकंप का केंद्र कहां था?

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के जलालाबाद से 27 किसोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय समयानुसार भूकंप के झटके रात 12.47 बजे महसूस किए गए। इसके करीब 20 मिनट बाद भूकंप का एक और झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था।

हिमालय के नीचे टकरा रहीं दो प्लेटें

बता दें कि हाल के वर्षों में अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी हिमालयी क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियों में चिंताजनक बढ़ोत्तरी देखी गई है। यह ताजा झटका इस क्षेत्र के अंदर हो रहे भूवैज्ञानिक हलचल की एक और याद दिलाता है। वैज्ञानिक इन लगातार झटकों को भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के धीमे लेकिन लगातार टकराव से जोड़ते रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हिमालय के नीचे धरती के अंदर दो प्लेटें, जिसने लाखों वर्षों पहले हिमालय को आकार दिया है, वे आज भी इस भूभाग को अस्थिर कर रहे हैं।

2023 में 4 हजार लोग मारे गए थे

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी। वहीं 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंपों का इतिहास रहा है। भूकंप के लिहाज से हिंदूकुश पर्वतमाला एक्टिव माना जाती है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान, भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच में स्थित है। ये फॉल्ट लाइन अफगानिस्तान के हेरात तक जाती है। प्लेट्स में हलचल होने पर भूकंप आता है।

भूकंप क्यों आता है?

हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

इंडोनेशिया में सांसदों की सैलरी बढ़ने पर प्रदर्शन, संसद जलाई

डिलीवरी बॉय की मौत से और बिगड़े हालात, राष्ट्रपति प्रबोवो का चीन दौरा रद्द

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समेत देश के कई हिस्सों में सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात मकासर शहर की क्षेत्रीय संसद में आग लगा दी। हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के वाहन ने मोटरसाइकिल से जा रहे डिलीवरी बॉय को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए। उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी। उन्हें 3 सितंबर को चीन में विक्ट्री डे समारोह में जाना था, जो सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने की 80वीं सालगिरह पर आयोजित होता है।

प्रबोवो के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति देश की हालात पर खुद नजर रखना चाहते हैं और इन हालातों को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने चीन सरकार से माफी मांगी कि वे उनके बुलावे पर नहीं जा पाएंगे।

ड्राइवर की मौत के मामले में 7 लोग हिरासत में : इन हिंसक विरोध-प्रदर्शन में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। लोगों ने सरकारी अधिकारियों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के खिलाफ प्रदर्शन तेज कर दिया है। ड्राइवर की मौत के मामले में 7 अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। इन प्रदर्शनों में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए और मृत ड्राइवर के परिवार से मुलाकात की।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग...आर्थिक मदद- लोग चाहते हैं कि सरकार आउटसोर्सिंग बंद करे, सैलरी बढ़ाए, नौकरियों में कटौती रोके और टैक्स नियमों में सुधार करे। इंडोनेशिया में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, जिससे आम लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है।

सांसदों का भत्ता- सांसदों के लिए 3,057 डॉलर (2.69 लाख रुपए) का मासिक भत्ता तय किया गया था। यह जकार्ता के न्यूनतम वेतन से 10 गुना ज्यादा है। इससे लोगों का गुस्सा भड़क गया।

पुलिस पर कार्रवाई- डिलीवरी बॉय की मौत के बाद लोग में पुलिस के खिलाफ गुस्सा है। वे पुलिस डिपार्टमेंट के हेड को हटाने और पुलिस में सुधार की मांग कर रहे हैं।

पुलिस पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप : इंडोनेशिया की कानूनी सहायता संस्था (वाईएलबीएचआई) ने पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। वाईएलबीएचआई के मुताबिक, जकार्ता में 600 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से कई को बिना किसी आरोप के थानों में रखा गया। संगठन ने पुलिस पर क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने न सिर्फ रबर की गोलियां चलाईं, बल्कि कुछ जगह गोला-बारूद का भी इस्तेमाल किया।

'अपने जीवन में इससे अच्छा कभी महसूस नहीं किया' सेहत को लेकर जारी अटकलों के बीच ट्रंप का पोस्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरती सेहत को लेकर इन दिनों खूब चर्चा है। सोशल मीडिया पर तो ट्रंप की स्वास्थ्य को लेकर काफी कुछ लिखा जा रहा है। इस बीच ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि अपने जीवन में कभी इससे बेहतर महसूस नहीं किया।

ट्रंप को लेकर सोशल मीडिया पर चला ट्रेंड- ट्रंप इज डेड

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की कुछ तस्वीरें सामने आई, जिनमें ट्रंप के हाथ पर कुछ निशान दिखाई दे रहे थे, जो चोट जैसे लग रहे थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ी कि सोशल मीडिया पर ट्रंप इज डेड ट्रेंड करने लगा। हालांकि अफवाहों के बाद व्हाइट हाउस को बयान जारी करना पड़ा और उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति नसों से संबंधित एक बीमारी से पीड़ित हैं और हाथों पर दिखाई दिए निशान भी उसी से संबंधित थे।

जेडी वेंस के बयान के बाद बढ़ गई थी कयासबाजी : यह भी दिलचस्प है कि दो दिन पहले एक साक्षात्कार में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बयान में यह कह कर सनसनी मचा दी थी कि किसी भयावह त्रासदी या आपात स्थिति में वे खुद राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं। हालांकि, वेंस ने इस बात को भी स्पष्ट किया था कि राष्ट्रपति ट्रंप की सेहत को लेकर अटकलें बेबुनियाद हैं और उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है।

ट्रंप ने अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर दी ये प्रतिक्रिया

ट्रंप की सेहत को लेकर चल रही अफवाहों के बीच ट्रंप समर्थक डीसी ड्रेनो ने एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि %जो बाइडन कई-कई दिन सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखते थे, लेकिन मीडिया कहता था कि वे तेज और अपने खेल में माहिर हैं। जबकि वे डायपर पहने और झपकी लेते रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति की तुलना में सार्वजनिक कार्यों में अधिक समय बिताते हैं और अगर वे 24 घंटे के लिए गायब हो जाते हैं तो मीडिया भड़क उठता है। यह हास्यास्पद और दोहरा मापदंड है।% इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने लिखा कि %मैंने कभी भी अपने जीवन में इससे बेहतर महसूस नहीं किया।%

नेपाल में किडनी रैकेट का भंडाफोड़

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने किडनी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। नेपाल पुलिस के मानव तस्करी निरोधक ब्यूरो ने बताया कि गिरोह के सरगना 38 वर्षीय श्याम कृष्ण भंडारी और उसके साथी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि तीन अन्य को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तार किए गए सभी लोग नेपाली हैं। भंडारी पिछले पांच साल से किडनी रैकेट में शामिल था। उसने नेपाल के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से लगभग 100 नेपाली नागरिकों को दिल्ली भेजा था, जहां उनकी किडनी निकालकर कुछ निजी क्लीनिकों में प्रत्यारोपित की गई थी। पुलिस ने भंडारी और उसके साथी सुजान भारती को बीरगंज में नेपाल-भारत सीमा से गिरफ्तार किया। इस समूह ने नेपाली नागरिकों को किडनी के बदले 6 लाख नेपाली रुपये देने का वादा किया था। हालांकि, उन्हें उनसे केवल 40,000 नेपाली रुपये ही मिले। भंडारी दिल्ली में अपने अवैध किडनी रैकेट को चलाने के लिए भारतीय आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था।

चीन दौरे से पहले किम जोंग उन ने नए मिसाइल कारखाने का निरीक्षण किया

माना जाता है कि किम जोंग उन ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन को काफी सैन्य समर्थन दिया है

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया। मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की योजना के लिए यह कारखाना बेहद महत्वपूर्ण है। यह निरीक्षण उन्होंने चीन रवाना होने से पहले सप्ताहांत में किया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने यह नहीं बताया कि यह कारखाना कहां है, लेकिन माना जा रहा है कि यह चीन से सटे जगांग प्रांत में स्थित हो सकता है, जो देश के हथियार उद्योग का मुख्य केंद्र है।

पिछले हफ्ते चीन और उत्तर कोरिया दोनों ने पुष्टि की थी कि किम जोंग उन छह साल बाद पहली बार चीन यात्रा पर जाएंगे। वह बीजिंग में होने वाले सैन्य परेड में भाग लेंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के अंत और जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन की लड़ाई की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित हो रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से इस समारोह में कुल 26 विदेशी नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं। माना जाता है कि किम जोंग उन ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन को काफी सैन्य समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम को अमेरिका के खिलाफ चीन, रूस और उत्तर कोरिया के एकजुट मोर्चे के रूप में देखा जा रहा है, खासकर जब अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी मजबूत कर रहा है। दक्षिण कोरियाई मीडिया का कहना है कि किम सोमवार को ट्रेन से चीन के लिए रवाना हो सकते हैं, क्योंकि चीन की सीमा पर स्थित दांडोंग शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, रेल सेवाएं रोकी गई हैं और होटलों ने विदेशी मेहमानों को ठहराना बंद कर दिया है।

सिंगापुर : पीएम वोंग ने 300 लोगों को सौंपे नागरिका प्रमाणपत्र

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए नागरिकों से कहा कि वे देश की जनता के साथ मिलकर समाज के कामों में हिस्सा लें और देश की भलाई में मदद करें। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि नए नागरिक अपने पड़ोसियों को जानकर और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों से जुड़कर भी समाज में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने यह बात रविवार को आयोजित राष्ट्रीय नागरिकता समारोह के दौरान कही।

इस समारोह में 300 नए नागरिकों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे गए और उन्होंने सिंगापुर गणराज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे सिंगापुर के बाकि नागरिकों के साथ मिलकर साझा भविष्य का निर्माण करेंगे। स्थानीय जन्म दर एक प्रतिशत से भी कम होने के कारण सिंगापुर में श्रमिकों की कमी है। इसी वजह से वह हर साल करीब 22,000 नए नागरिकों को अपनाता है।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या, जेलेंस्की बोले- यह एक सोची-समझी साजिश

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को भयावह अपराध बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी।वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया। पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था। 54 साल के पारुबी यूक्रेनी संसद के एक सक्रिय सदस्य थे और 2016 से 2019 तक संसद अध्यक्ष भी रहे। वे 2004 की ऑरेंज क्रांति और 2013-14 के माइडान आंदोलन में अहम भूमिका निभा चुके थे।

ट्रम्प का जापान पर अमेरिकी चावल खरीदने का दबाव : नाराज जापानी डेलीगेशन ने दौरा रद्द किया

भारत पर भी मांसाहारी दूध खरीदने का दबाव था

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प जापान पर अमेरिकी चावल के लिए बाजार खोलने का दबाव बना रहे हैं। इस वजह से जापान के मुख्य वार्ताकार रयोसेई अकाजावा ने अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अकाजावा 28 अगस्त को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करने वाले थे, लेकिन ट्रम्प के अमेरिकी चावल खरीदने के दबाव के बाद उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी। अमेरिका ने इसी तरह का दबाव भारत पर भी बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उनकी मांसाहारी गायों का दूध खरीदे। साथ ही उनके किसानों के लिए भारत अपना मार्केट ओपन करे। लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया था। इससे बाद अमेरिका ने भारत पर 25प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था, जो बाद में बढ़कर 50प्रतिशत तक पहुंच गया।

अमेरिका से टैरिफ घटने की उम्मीद नहीं, इसलिए यात्रा रद्द

निक्की एशिया के मुताबिक अकाजावा चाहते थे कि उनकी यात्रा से अमेरिका से यह लिखित वादा मिल जाए कि जापानी उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, लेकिन जब यह साफ हो गया कि ऐसा नहीं होगा, तो उन्होंने यात्रा रद्द कर दी। कई सरकारी अधिकारियों ने निक्केई एशिया से कहा कि ट्रम्प ने जापान पर दबाव डालकर पहले उससे टैरिफ कम कराया और फिर कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाने की शर्त रखी। इसके बदले में जापान को उम्मीद थी कि अमेरिका ऑटोमोबाइल पर टैरिफ का बोझ कम करेगा, लेकिन ट्रम्प की तरफ से इसे लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं मिला।

जापान का कहना है कि अमेरिका का रवैया उसकी घरेलू नीतियों में हस्तक्षेप है

अकाजावा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर अधिकारियों के स्तर पर और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक वार्ता आगे बढ़ती रहेगी, वे अमेरिका की यात्रा टाल रहे हैं, लेकिन संभव है कि भविष्य में फिर से जाएं।

दावा- जापान चावल कोटा में 75प्रतिशत बढ़ोतरी पर सहमति दे चुका है

रिपोर्ट के मुताबिक अगर जापान, अमेरिका से चावल की खरीद बढ़ाता है तो इससे उसके किसानों को नुकसान हो सकता है। इससे कृषि समुदाय नाराज भी हो सकता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने दावा किया कि जापान ने जुलाई में ही अमेरिकी चावल के आयात कोटा में 75 प्रतिशत बढ़ोतरी पर सहमति दे दी थी। बाद में जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने साफ कहा कि उनका देश अमेरिकी दबाव में अपने किसानों के हितों का बलिदान नहीं करेगा।

अमेरिका-जापान को एक दूसरे पर भरोसा नहीं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि जापान और अमेरिका की बातचीत में मुख्य समस्या एक-दूसरे पर भरोसा न करना है। अमेरिका चाहता है कि जापान अपने 550 अरब डॉलर के इन्वेस्टमेंट के वादे को लिखित समझौते में बदले। वहीं, जापान कह रहा है कि अगर उसे लिखित गारंटी चाहिए तो अमेरिका को भी यह लिखकर देना होगा कि जापानी ऑटो पर 15प्रतिशत टैरिफ तुरंत लागू नहीं होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जापान और अमेरिका करीबी सहयोगी बने हुए हैं। 1951 में हुई सुरक्षा संधि के तहत अमेरिका जापान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाता है, जबकि जापान एशिया में अमेरिकी रणनीतिक उपस्थिति का अहम हिस्सा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के शाह दंपति ने फिल्म स्टार्स का उपयोग कर निवेशकों को फंसाया

खजूरभाई,जानकी बोडीवाला-पूजा जोशी से कराई विज्ञापनबाजी 1.63 करोड़ का घोटाला कर डाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सिंगणपुर-कॉज़ वे रोड स्थित सिल्वर स्टोन आर्केड में शाह इन्वेस्टमेंट नाम से शेयर ट्रेडिंग का ऑफिस खोलकर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाले शाह दंपति की करतूत उजागर हुई है। गुजराती कलाकार जानकी बोडीवाला, मित्रा गढ़वी, पूजा जोशी और सोशल मीडिया स्टार नितिन जानी उर्फ़ खजूरभाई के नाम पर वीडियो बनाकर पब्लिसिटी कर कई निवेशकों को फंसाया गया। शाह दंपति हार्दिक और उसकी पत्नी पूजा के खिलाफ अब तक दो केस दर्ज हो चुके हैं।

सूरत में 30 लाख की ठगी के बाद भावनगर के दो व्यापारियों के 1.33 करोड़ फंस जाने पर सीआईडी क्राइम में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। इस तरह कुल 1.63 करोड़ का घोटाला सामने आया है।

फिलहाल शाह दंपति जेल में बंद है।

नाना वराछा, वंदना सोसायटी में रहने वाले हरेश रामजी डूंगरानी ने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर सिंगणपुर-कॉज़ वे रोड पर शाह इन्वेस्टमेंट के ऑफिस में संपर्क किया। यहां उन्हें निवेश पर 100 दिनों में 12 से 15' रिटर्न का लालच दिया गया। युवक ने कुल 11 लाख रुपये निवेश किए, जिसमें से केवल 1.74 लाख रुपये लौटाए गए और बाकी रकम डकार ली गई।

इस फर्म की मैनेजिंग डायरेक्टर पूजा हार्दिक शाह और फाउंडर हार्दिक अशोक शाह (निवासी-लक्ष्मी रेसिडेंसी, गजडेड़ा सर्कल, कतारगाम) पैसे लौटाने को तैयार नहीं हुए। इस दंपति ने पांच लोगों को 30.95 लाख का चूना लगाया था, जिस पर चौकबाजार पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया।

खजूरभाई समेत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से प्रमोशन करवाने पर शाह दंपति के खिलाफ दो दिन में ही CID क्राइम में दूसरा केस दर्ज हो गया। इस दंपति ने नितिन जानी उर्फ़ खजूरभाई, गुजराती फिल्म स्टार्स जानकी बोडीवाला, मित्रा गढ़वी आदि के वीडियो बनवाकर शाह इन्वेस्टमेंट की स्कीमों का प्रचार कराया। नितिन जानी ने तो कंपनी के ऐप लॉन्चिंग इवेंट में भी भाग लेकर प्रचार-प्रसार किया था।

जल्दी मुनाफे के लालच में कई निवेशकों ने कंपनी में पैसा लगाया। इसमें भावनगर-महुवा के जय अम्बे नगर निवासी पार्थ रतिलाल पंड्या (उम्र 42) ने 58 लाख और महुवा के स्वामीनारायण धाम निवासी अश्विन राणाभाई ने 75 लाख गंवाए। शाह दंपति के खिलाफ 1.33 करोड़ की ठगी का केस दर्ज कर CID ने जांच शुरू की है।

चौकबाजार पुलिस के मुताबिक, अब तक चार पीड़ितों ने शाह दंपति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जबकि दो अन्य पीड़ितों ने CID क्राइम में शिकायत दर्ज कराई। इस दंपति ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर कई लोगों को ठगा है। संभावना है कि सूरत में और शिकायतें दर्ज हो सकती हैं। फिलहाल दंपति जेल में बंद है और आने वाले दिनों में CID क्राइम उन्हें रिमांड पर लेकर आगे की कार्रवाई करेगा।

शाह इन्वेस्टमेंट के नाम पर हार्दिक शाह और उसकी पत्नी पूजा शाह लोगों को 100 दिनों में 15 रिटर्न का लालच देकर फंसाते थे। कुछ ही वर्षों में उन्होंने सिंगणपुर और अडाजन-पाल में दो आलीशान ऑफिस खड़े कर दिए, जिन पर करोड़ों खर्च किए गए। रोजाना अलग-अलग गुजराती कलाकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से कंपनी का प्रचार कराया जाता था।

सूरत में नकली वीज़ा फैक्ट्री का पर्दाफाश

10 साल में बनाए 700 फर्जी स्टिकर, एक स्टिकर के 15,000 लेता, कई लोग विदेश भी गए; फर्जी वीज़ा केस में ज़मानत पर था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में PCB और SOG की संयुक्त कार्रवाई में अडाजन इलाके से प्रतीक शाह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर नकली वीज़ा बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया है। इस फैक्ट्री से यूके, कनाडा, मेसिडोनिया, सर्बिया, चेकोस्लोवाकिया और यूरोप के देशों के नकली वीज़ा स्टिकर मिले हैं। पुलिस को उसके पास से 5 वीज़ा स्टिकर मिले। जांच में सामने आया कि प्रतीक शाह ये नकली वीज़ा स्टिकर दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के एजेंटों को बेचता था।

आरोपी प्रतीक शाह के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं और 2017 से अब तक उस पर कुल 12 मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने 10 साल में लगभग 700 नकली स्टिकर बनाए। वह एक स्टिकर बनाने के 15,000 रुपये लेता था। इन नकली स्टिकरों के आधार पर कुछ लोग विदेश भी चले गए थे।

सूरत में फर्जी वीज़ा रैकेट का खुलासा एक साल पहले दिल्ली पुलिस ने किया था। उस समय भी मुख्य आरोपी प्रतीक शाह गिरफ्तार हुआ था, लेकिन वह 6 महीने पहले ही ज़मानत पर बाहर आ गया। ज़मानत मिलने के बाद उसने फिर से अपने घर पर आधुनिक मशीनरी लगाकर नकली वीज़ा फैक्ट्री शुरू कर दी।

10 वर्षों में करीब 700 फर्जी स्टिकर बनाए हैं। इन स्टिकरों के सहारे कई लोग विदेश जा चुके हैं, इस मामले में 6 एजेंटों को भी वॉन्टेड घोषित किया गया है। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी बेहद बारीकी से काम करता था और एक स्टिकर बनाने में उसे 7 दिन लगते थे। वह इन्हें कूरियर से एजेंटों तक पहुंचाता था।

मौके से लैपटॉप, विभिन्न देशों के वीज़ा स्टिकर और अन्य सामग्री मिलाकर कुल 1.30 लाख रुपये का माल जब्त किया गया। लैपटॉप में वीज़ा स्टिकरों की फाइलें एडिट होती मिलीं।

प्रतीक से पूछताछ में सामने आया कि आनंद निवासी केतन दीपक सरवैया, थाईलैंड (बैंकॉक) निवासी हर्ष, दिल्ली निवासी परम्जीत सिंह, दिल्ली निवासी अफलाक और सचिन शाह नामक लोग एजेंट के रूप में काम करते थे। ये लोग ग्राहकों से मोटी रकम लेकर फर्जी वीज़ा दिलाने का वादा करते थे। प्रतीक एक स्टिकर बनाने के 15,000 रुपये लेता था।

सूरत SOG और PCB की टीमों ने रांदेर इलाके में अंतरराष्ट्रीय वीज़ा रैकेट का पर्दाफाश कर प्रतीक उर्फ अभिजीत निलेश शाह नामक आदतन अपराधी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह आरोपी यूके, कनाडा, यूरोप, सर्बिया और मेसिडोनिया जैसे देशों के डुप्लीकेट वीज़ा बनाता था।

SOG PI ए.पी. चौधरी और PCB PI आर.एस. सुवेरा को मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर पुलिस ने रांदेर के समोर रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 202, श्रीजीनगरी सोसाइटी, झघड़िया चौकड़ी पर आधी रात को छापा मारा और आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया।

रिक्शा चालकों सावधान

यात्री बनकर रिक्शावाले को चाकू दिखाकर रिक्शा और नकदी की लूट, क्राइम ब्रांच ने तीन गिरफ्तार किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 20 दिन पहले पांडेसरा इलाके में हुई एक लूट की

घटना में सूरत क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में कुछ यात्रियों ने एक ऑटो रिक्शा चालक को लूट लिया था।

लुटेरे रिक्शा चालक को पांडेसरा भेदवाड़ इलाके की दरगाह के पीछे सुनसान जगह पर ले गए और वहां चाकू दिखाकर उसके पास से 1800 रुपये नकद और रिक्शा लूटकर फरार हो गए।

आरोपियों की आदत - रात में रिक्शा चालकों को फंसाकर लूटना

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रात के समय रिक्शा में यात्री बनकर बैठते थे और फिर रिक्शा चालक को सुनसान जगह पर ले जाकर चाकू की नोक पर लूटपाट करते थे।

सूचना के आधार पर पुलिस ने उन-सचिन रोड पर शालीमार सोसायटी के सामने से तीन शख्सों को पकड़ा।

पुलिस ने आरोपियों से ऑटो रिक्शा (कीमत 2,35,000), दो मोबाइल फोन (कीमत 6,500) और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। कुल बरामद माल की कीमत 2,41,500 है।

पूछताछ में पता चला कि मनिंदरसिंह टांक और जशपालसिंह भादा पहले भी अलथाण पुलिस स्टेशन में लूट और वाहन चोरी के मामलों में पकड़े जा चुके हैं। तीनों आरोपियों ने कबूल किया कि करीब 20 दिन पहले उन्होंने पांडेसरा में एक रिक्शा चालक को भेदवाड़ दरगाह के पीछे सुनसान जगह पर ले जाकर 1800 रुपये और उसकी रिक्शा (कीमत 2,35,000) लूट ली थी।

लूट के बाद आरोपियों ने रिक्शा की नंबर प्लेट निकाल दी और उसे छिपा दिया। रात में वे इसी रिक्शा का उपयोग लोगों को चाकू दिखाकर लूटने के लिए करते थे।

१-आरोपी मनिंदरसिंह टांक पर अलथाण थाने में लूट और वाहन चोरी का मामला दर्ज है।

२-आरोपी जशपालसिंह भादा के खिलाफ अलथाण और वेसु पुलिस स्टेशन में मामले दर्ज हैं।

३-आरोपी निर्मलसिंह भादा पर चौकबाजार और उधना पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम:

१-मनिंदरसिंह हरनामसिंह टांक (सिकलीगर),निवासी - प्लॉट नं. 35, प्रभुनगर झुग्गी-पट्टी, BRC के पास, उधना, सूरत।

२-जशपालसिंह उर्फ पापा पंचमसिंह भादा, निवासी - जय जलाराम नगर झुग्गी-पट्टी, सचिन राजमार्ग के पास, उन पाटिया, भेस्तान, सूरत।

३-निर्मलसिंह उर्फ अय्यासिंह मंगालसिंह उर्फ ढोलासिंह भादा, निवासी - प्रभुनगर, BRC के सामने, उधना, सूरत।

स्ट्रीट लाइट के खंभे में करंट से युवक की मौत मामले में कॉन्ट्रैक्टर पर FIR

अर्थिंग और अन्य सुरक्षा इंतज़ाम नहीं थे;1 महीने में 5000 से ज्यादा शिकायतों के बावजूद AMC ने कार्रवाई नहीं की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के घी कांटा इलाके में दूधवाली पोल के पास 16 जून को बारिश के दौरान AMC की स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट आने से जसराज गोयल नामक युवक की मौत हो गई थी। म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्ट्रीट लाइट के खंभों के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी मेसर्स सन ट्रेडिंग कंपनी की थी, लेकिन कंपनी ने खंभों को अर्थिंग नहीं दी थी और न ही सुरक्षा के इंतज़ाम किए थे। इस लापरवाही के चलते करंट लगने से युवक की मौत हो गई। इस मामले में कंपनी के मालिक धर्मेंद्र शाह

के खिलाफ शाहीपुर पुलिस स्टेशन में लापरवाही का केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, 16 जून 2025 को अहमदाबाद में बारिश हो रही थी। घी कांटा इलाके की दूधवाली पोल के पास पानी भर गया था। इस दौरान 21 वर्षीय जसराज गोयल, जो पद्मावती कॉम्प्लेक्स में गारमेंट की दुकान पर काम करता था, वहां से गुजर रहा था। तभी वह करंट के स्ट्रीट लाइट पोल के करंट की चपेट में आ गया, बेहोश होकर पानी में गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्ट्रीट लाइट विभाग और मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाए थे। अब जसराज गोयल के भाई स्वरूप गोयल की शिकायत पर शाहीपुर पुलिस ने सन ट्रेडिंग कंपनी के मालिक धर्मेंद्र शाह के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद शहर में करीब 2 लाख से ज्यादा स्ट्रीट लाइट पोल लगे हैं। लेकिन समय पर मेंटेनेंस न होने के कारण बड़ी संख्या में पोल खराब रहते हैं। केवल एक महीने में ही 5,000 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई हैं। इसके बावजूद AMC अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, और इसी लापरवाही के चलते एक युवक की जान चली गई।

लाइट विभाग में मेंटेनेंस के कॉन्ट्रैक्ट में भी गड़बड़ी

नगर निगम आयुक्त द्वारा लाइट विभाग के अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती। बार-बार शो-कॉज नोटिस देकर ही संतोष मान लिया जाता है। अधिकारियों के खिलाफ विजिलेंस जांच सौंपने के बाद भी कड़ी कार्रवाई नहीं होने से अधिकारी कॉन्ट्रैक्टरों को बचा लेते हैं। लाइट विभाग में मेंटेनेंस के कॉन्ट्रैक्ट में भी गड़बड़ी होने को लेकर जांच सौंपी गई है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

आईटी विभाग का बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन

वापी, मुंबई और पुणे की पेपर मिलों सहित 35 से अधिक स्थानों पर छापेमारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com

आयकर विभाग ने वापी, मुंबई और पुणे में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन किया है। वापी में गजानंद पेपर मिल, श्री अजीत पल्प एंड पेपर मिल और एन.आर. अग्रवाल पेपर मिल सहित 25 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई है।

आयकर विभाग की सूरत और वापी विंग की टीमें इस कार्रवाई को अंजाम दे रही हैं। वापी की पेपर मिलों के अलावा, मुंबई और पुणे में भी करीब 10 से 12 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इस कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग की टीमों ने इन कंपनियों से जुड़े स्क्रैप डीलरों के यहां भी छापेमारी की है। कुल मिलाकर 35 से अधिक स्थानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है।

एकल श्रीहरि चेस टूर्नामेंट का हुआ भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट की युवा शाखा द्वारा चेस टूर्नामेंट का आयोजन रविवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इंपीरियल हॉल में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम गहलोत द्वारा किया गया।

टूर्नामेंट में सूरत, वापी, वलसाड, अहमदाबाद एवं आस-पास के क्षेत्रों से कुल 407 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिसमें से 379 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को चार श्रेणियों अंडर -8, अंडर -11, अंडर -14 एवं ओपन कैटेगरी में किया गया था। टूर्नामेंट में सभी श्रेणियों में विजेताओं को ट्राफी के साथ नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में प्रतियोगियों के अलावा सभी के परिवारजन उपस्थित रहें। सभी के लिए ट्रस्ट द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर एकल श्रीहरि चैप्टर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन लाल दारुका, सूरत चैप्टर अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, एफटीएस अध्यक्ष श्रीनारायण पेड़ीवाल, युवा विंग मेंटर अंकुर बिजाका, अध्यक्ष सुमित मित्तल, मंत्री रचना अग्रवाल महिला समिति की संस्थापक संरक्षक मंजू मित्तल, अध्यक्ष कुसुम सराफ, कोषाध्यक्ष सुषमा सिंघानिया सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अहमदाबाद में 'भूरा दादा' का आतंक, पुलिस चौकी में तोड़फोड़

गीता मंदिर ST स्टैंड पुलिस चौकी के दरवाजे पर लात मारकर बोला, "बाहर आओ तो पता चले"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद को देश का सबसे सुरक्षित शहर कहा जाता है, लेकिन शहर में रोजाना असामाजिक तत्व बेखौफ होते जा रहे हैं। शहर के गीता मंदिर क्षेत्र स्थित स्ज्ञ बस स्टैंड पर पुलिस चौकी के बाहर एक युवक खुद को च्भूरा दादाज् बताकर खुलेआम गाली-गलौज कर रहा है। वायरल वीडियो में युवक पुलिस चौकी के दरवाजे पर तोड़फोड़ कर बाहर आने की चुनौती देता दिख रहा है। वीडियो सामने आते ही कागड़ापीठ पुलिस हरकत में आ गई और अब आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी गई है।

पिछले एक महीने में अहमदाबाद में हत्या और खुलेआम हथियार लहराते झगड़े के कई मामले दर्ज हुए हैं। सरेआम चाकू-छुरी और डंडे लेकर घूमते असामाजिक तत्वों से शहरवासी दहशत में हैं। पुलिस की नाकामी से कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।